''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, | अंक 283 | पृष्ठ 08 | मूल्य 01 रूपए | शनिवार, 28 दिसंबर 2024 | samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर बड़ी हस्तियों ने भी दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर हरियाणा सरकार ने भी सात दिवसीय राजकीय शोक किया घोषित

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर हरियाणा सरकार ने भी सात दिन 26 दिसंबर, 2024 से 01 जनवरी, 2025 तक राजकीय शोक घोषित किया है। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार सात दिवसीय राजकीय शोक की अवधि के दौरान पूरे हरियाणा राज्य में सभी भवनों पर, जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है, वहां राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इस अवधि के दौरान राज्य सरकार के सभी समारोह रद्द रहेंगे और कोई सरकारी मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित नहीं होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर हरियाणा सरकार ने भी सात दिवसीय राजकीय शोक किया घोषित

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर जेपी नड्डा, नरेंद्र मोदी और हरियाणा से राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री नायब सैनी और लगभग सभी मंत्रियों ने श्रद्धांजलि दी तथा उन्हें आदर्श, चरित्रवान, देश के प्रति समर्पित प्रहरी बताया।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक अनुभवी राजनीतिज्ञ, कुशल अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपना जीवन देश के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि देश के विकास में उनके योगदान व लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में देश को वित्तीय संकट से उबारने के लिए उदारीकरण की नीति लागू की थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई संरचनात्मक सुधार किए जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली। श्री दत्तात्रेय ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। यहां जारी शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने न केवल एक कुशल राजनीतिक बल्कि देश सेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व और कुशल अर्थशास्त्री को खोया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के एक साधारण से परिवार एवं छोटे से गांव से भारत के अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री बनने का सफर उनके समर्पण व देश की सेवा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी को हमेशा ही सादगी और विद्वता के लिए याद किया जाएगा। देश के विकास के लिए किए गए आर्थिक फैसलों में उनका योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने परमात्मा से प्रार्थना की है कि इस दु:ख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार को यह दु:ख सहने का संबल प्रदान करे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कृषि मंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्री राणा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे न केवल एक कुशल अर्थशास्त्री थे बल्कि एक दूरदर्शी राजनेता और भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी थे। कृषि मंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने लंबे और समर्पित सार्वजनिक जीवन में हमेशा गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए आवाज उठाई। उनके नेतृत्व ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं का सम्मान और प्रशंसा अर्जित की। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की विरासत आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में प्रेरित करती रहेगी।

विस अध्यक्ष कल्याण ने की मुख्य सचिव के साथ बैठक

कहा– विधेयकों के प्रारूप निर्धारित समयावधि में ही मिलें।

कमेटियों में उठे मसलों को गंभीरता से लें अधिकारी।

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव विवेक जोशी समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में विधान सभा के कामकाज और सचिवालय से संबंधित अनेक मसलों पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने सभी विषयों पर बैठक करके अधिकारियों को उचित निर्देश देने का आश्वासन दिया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार के विभागों की ओर से विधेयकों के प्रारूप निर्धारित समयावधि में ही मिलने चाहिए। विधेयकों का मसौदा देरी से मिलने के कारण विधायक उसका ठीक से अध्ययन नहीं कर पाते। विधायकों की सार्थक चर्चा से ही विधेयक पारित होने चाहिए। इसी प्रकार विधान सभा की कमेटियों में उठाए गए मसलों पर भी विभागों की ओर से समयबद्ध ढंग से जवाब मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि विधान सभा की कमेटियां सदन का लघु रूप है, इसलिए इनकी कार्यवाही को गंभीरता से लेना चाहिए।

विधान सभा सचिवालय से संबंधित अनेक अन्य महत्वपूर्ण विषय भी मुख्य सचिव के संज्ञान में लाए गए। विधान सभा कमेटियों के अध्ययन दौरों से संबंधित यात्रा-व्यय की अनुमति में देरी के मसले पर भी बैठक में चर्चा हुई।

चर्चा में आया कि विधान सभा से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में कई बार अनापेक्षित रूप से अधिक समय लग जाता है, जिससे विधायक तथा विधायी कार्य प्रभावित होते हैं। इस मामले में बेहतर समन्वय के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि निकट भविष्य में विधायकों और विधान सभा कर्मचारियों के प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इनके लिए समुचित प्रबंध प्रदेश सरकार के संबंधित विभागों को करने हैं।

देश पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को हमेशा याद रखेगा : कुमारी सैलजा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन की सूचना से मन बेहद आहत है। उनका जाना पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन मेरे लिए यह परिवार के एक बड़े और मार्गदर्शक के चले जाने जैसा है। भारत के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान ऐतिहासिक है जो सदैव याद किया जाएगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत ने उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक विकास की राह पकड़ी, जिसने करोड़ों भारतीयों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। मेरे लिए उनके साथ काम करना न केवल एक सौभाग्य था, बल्कि हर पल उनसे सीखने का अवसर भी मिला। उनकी सादगी, धैर्य और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण सदैव प्रेरणा देता रहेगा। देश उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर काम किया। उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को एक नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। जनता के प्रति देश के विकास के प्रति उनका कमिटमेंट उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। उनका जीवन, उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था। उनकी विनम्रता सौम्यता उनके संसदीय जीवन की पहचान बनी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें।

जगजीत सिंह डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य पर जताई चिंता

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वे बेशक अपना अनशन जारी रखें, लेकिन सेहत के लिए जितना जरूरी है। किसानी मांगों पर सरकार कोई ध्यान ही नहीं दे रही है, केंद्र ने बेशर्मी वाला रवैया अपना रखा है। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के चलते अब तक लाखों किसान आत्महत्याएं कर चुके हैं। सरकार जिद छोड़कर किसानों को फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दे।

कोर ग्रुप की बैठक में होगा नगर निकाय चुनाव को सिंबल पर लड़ने का फैसला : पंडित मोहन लाल बड़ौली

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़/जींद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को वोट की जो चोट दी है उससे कांग्रेस बीमारी के साथ-साथ बेहोशी की हालत में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हार से बौखलाए कांग्रेस के नेता बीमारी की हालत में बेतूकी बयानबाजी करते रहते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ने हरियाणा में जलेबी को राजनीतिक जलेबी का रूप दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की दिल्ली में स्पष्ट बहुमत सरकार बनेगी और हमारे कार्यकर्ता दिल्ली में भी जलेबियां बांटेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने शुक्रवार को जींद भाजपा कार्यालय में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक के बाद मीडिया के सवालों के जवाब दिए और भाजपा के संगठन के चुनाव की प्रक्रिया के बारे में बताया। युवा मोर्चा की बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा व जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के

पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के संगठन के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने कहा कि हमारे अब तक 30 हजार से अधिक सक्रिय सदस्य बन चुके हैं और हमारी अब बूथों पर चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में प्रदेश स्तर पर युवा मोर्चा और कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय सदस्यता अभियान को और गति देने पर गहन चर्चा हुई। सभी कार्यकर्ताओं ने इस अभियान के तहत अधिक से अधिक युवाओं एवं सक्रिय सदस्यों को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया। पत्रकार के एक सवाल पर बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2014 में जब से भाजपा की सरकार बनी है तभी से कांग्रेस का भर्ती रोको गैंग ने अदालतों का सहारा लेकर भर्तियों को रोकने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने भी भाजपा सरकार की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष माना है। श्री बड़ौली ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी भाजपा सरकार की भर्ती प्रक्रिया को उचित ठहराया है। उन्होंने कहा कि नायब सरकार बिना पर्ची और बिना खर्ची के युवाओं को नौकरियां दे रही है। एक अन्य सवाल पर पूर्व सीएम हुड्डा पर तंज कसते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हुड्डा जी को हरियाणा की जनता ने वोट की जो चोट दी है उससे बौखलाए हुए हैं, पूरी कांग्रेस पार्टी बेहोशी की हालत में है। श्री बड़ौली ने कहा कि मैंने पहले भी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को भी अच्छे डाक्टर से इलाज कराने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी बीमारी की जांच अच्छे डाक्टर से कराएगी तो अवश्य ठीक हो जाएगी।

नगर निकाय चुनाव पर बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सिस्टम, सिद्धांत और विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबके विश्वास पर काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि हमारी संवैधानिक प्रक्रिया है। हमने पहले नगर निगम और नगरपरिषद के चुनाव सिंबल पर लड़े थे। अभी चुनाव की घोषणा हुई नहीं है। निर्वाचन आयोग जैसे ही चुनाव की घोषणा करेगा तभी हमारी कोर ग्रुप की बैठक होगी और उसमें निर्णय लिया जाएगा कि चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं।

किसानों के मुद्दे पर श्री बड़ौली ने कहा कि किसानों की बात पंजाब की सरकार ने सुननी चाहिए और कम से कम मुख्य 5 फसलों को एमएसपी पर खरीदने की गारंटी देनी चाहिए। श्री बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का कानून बनाकर पक्की गारंटी दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी किसानों की बातों को सीधा सुना है और एक कमेटी का गठन किया है। उन्होंने किसानों से आग्रह करते हुए कहा कि सभी किसान कमेटी और माननीय अदालत मे समक्ष अपना पक्ष रखें क्योंकि किसी भी समस्या का समाधान बातचीत से ही संभव है।

भाजपा संगठन में मंडल चुनाव को लेकर जिला चुनाव अधिकारी कार्यशाला हुई संपन्न

भाजपा संगठन में आंतरिक लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए संगठन चुनाव है महत्वपूर्ण : जरावता

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। जनवरी माह में होने वाले भारतीय जनता पार्टी संगठन के मंडल चुनाव को लेकर भाजपा द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गईं हैं, जिसके तहत शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर चुनाव अधिकारियों की कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें प्रदेश द्वारा फरीदाबाद जिले के लिये नियुक्त चुनाव अधिकारी पटौदी से विधायक सत्यप्रकाश जरावता, सह चुनाव अधिकारी प्रवीण जैन, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, फरीदाबाद जिले के सह-चुनाव अधिकारी अनुशाशन समिति की प्रदेश अध्यक्षा नीरा तोमर एवं सुरेन्द्र जांगड़ा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली, जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सोहनपाल सिंह, प्रदेश चुनाव सह अधिकारी बिजेन्द्र नेहरा निवर्तमान महापौर सुमन बाला, उप महापौर मनमोहन गर्ग, सक्रिय सदस्यता के जिला संयोजक पंकज रामपाल और भाजपा जिला पदाधिकारी मुख्य तौर पर उपस्थित रहे ।

फरीदाबाद जिले के लिए कार्यशाला को संबोधित करने पहुंचे फरीदाबाद के चुनाव अधिकारी एवं पटौदी से विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने संगठन के मंडल चुनाव के लिए वरिष्ठ नेताओं और चुनाव अधिकारीयों के साथ चुनाव के लिए विस्तृत चर्चा की । श्री जरावता ने कहा कि पार्टी का संगठन पर्व चल रहा है और हर बूथ पर सक्रिय सदस्य बनाने का काम लगभग पूर्ण कर लिया गया है । भाजपा के सक्रिय सदस्यों को ही संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी और प्रत्येक बूथ पर बूथ समिति गठित कर पहले बूथ अध्यक्ष चुने जायेंगे और उसके बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया जायेगा । आगामी 30 दिसंबर को सभी मंडलों में मंडल स्तर पर चुनाव कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई है और मंडल स्तर पर भी चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गए हैं । श्री जरावता ने कहा कि बूथ भाजपा संगठन की सबसे बुनियादी इकाई है तथा भाजपा संगठन में आंतरिक लोकतंत्र को बनाए रखने और संगठन को मजबूत करने के लिए पहले बूथ अध्यक्ष और फिर मंडल अध्यक्ष चुनाव महत्वपूर्ण हैं। चुनाव के माध्यम से संगठन में योग्य और सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

चुनाव सह अधिकारी प्रवीण जैन ने कार्यशाला में संगठानात्मक वृत्त लिया और चुनाव प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी कार्यकर्ताओं के साथ साँझा की । उन्होंने अब तक हुए साधारण सदस्यता और सक्रिय सदस्यता अभियान के कार्य की समीक्षा की । चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी चुनाव अधिकारीयों से कहा कि मंडल चुनाव को लेकर सौंपी गई जिम्मेवारी का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेवारी से निर्वहन करें तथा मंडल चुनाव के निष्पक्षता से संपन्न करवाने में भूमिका निभाएं । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि सक्रिय सदस्यता को उत्सव की तरह मनाया जा रहा है । जिला, विधानसभा मंडल स्तर पर संयोजक और सह संयोजक नियुक्त किये गए हैं और लगातार इस अभियान की समीक्षा की जा रही है । हर बूथ पर 3 सक्रिय सदस्य बनाने का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है और अगले 2 दिनों में इस कार्य को पूर्ण कर लिया जायेगा । पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा और जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स ने भी कार्यशाला को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

योजनाओं से संबंधित ऋण आवेदनों पर की जाए सकारात्मक कार्यवाही : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त ने अग्रणी बैंक योजना के तहत जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक में दिए निर्देश

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को अग्रणी बैंक योजना के तहत जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक लघु सचिवालय के सभागार में हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न बैंकों के माध्यम से दिए जाने वाले ऋण संबंधी व उनके लक्ष्य प्राप्ति के संबंध में की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी बैंक अपने टारगेट समय पर पूरें करें तथा ऋण संबंधी कार्यवाही को प्रमुखता देते हुए लाभपात्रों के ऋण जल्द मंजूर करें, ताकि लाभपात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का त्वरित लाभ मिल सके। इस कार्य में सभी बैंक अपनी प्रगति दिखाएं। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभपात्रों के ऋण संबंधी आवेदन जल्द मंजूर किए जाएं। आवेदनों में अगर किसी दस्तावेज की कमी है, तो बैंक आवेदन को रद्द न करके उसके दस्तावेज पूरे करवाएं तथा उसे ऋण देना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री जन धन योजना, मुद्रा योजना और स्वरोजगार योजनाओं के तहत अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से कृषि, एआईएफ के तहत आने वाले प्रोजेक्ट्स, पीएम एफएमई योजना व एफपीओ को प्रमोट किया जाए। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत सभी बैंक प्राप्त आवेदन पर शीघ्र कार्यवाही करें तथा लाभपात्रों को लाभ देना सुनिश्चित करें।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाएं जैसे हरियाणा अनुसूचित वित्त एवं विकास निगम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन व स्टैंड अप इंडिया योजना आदि के तहत प्राप्त आवेदनों पर बैंक अधिकारी सकारात्मक कार्यवाही करते हुए लाभपात्रों को ऋण उपलब्ध करवाएं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में वित्तीय जागरुकता फैलाने के लिए अभियान चलाएं, ताकि लोग सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें। बैंक अधिकारियों को अपनी सेवाओं को और अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सागर ने विभिन्न बैंकों द्वारा की जा रही कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस बैठक में एजीएम कैनरा बैंक थीमा नायक, नाबार्ड के डीएम मयंक सहित अन्य बैंक के मैनेजर भी उपस्थित रहे।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट : मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

पीठ का दर्द कारण एवं उपाय!

पीठ का दर्द आमतौर से हमारे पीठ के निचले भाग को प्रभावित करता है। शुरुआत में इसको हम संजीदगी से नहीं लेते और अक्सर लापरवाही कर लेते हैं। इसको हम थकान के कारण होने वाली दर्द समझते हैं, लेकिन ये रोजमर्रा के कामों में अड़चन एवं बाधा डाल सकता है। यह दर्द हल्का, मध्यम, तेज या अत्यधिक गंभीर भी हो सकता है। यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है लेकिन वयस्कों को यह ज्यादा प्रभावित करता है।

कारण

लोगों में ऐसी आम धारणा है कि भारी सामान उठाने से या लापरवाही से चलने एवं उठने बैठने से पीठ में दर्द पैदा होता है और मासपेशियों और लीगमेंट्स (रीढ़ की हड्डीयों को आपस में बांधने वाली रस्सियां) में तनाव होता है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। पीठ के दर्द का मुख्य कारण हमारे रोजमर्रा की जिदगी में होने वाले वियर एंड टीयर (कोशिकाओं की टूट-फूट) होता हैं, जिसका सीधा संबंध हमारी जीवनशैली से होता है। कुछ समय के बाद बार बार होने कि वजह से यह वियर एंड टीयर पीठ को स्थाई रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। यह नुकसान डिस्क डीजेनेरेशन (डिस्क का कमज़ोर पड़ना) यां फेसेट जाइंट् आर्थराईटिस (रीढ़ की हड्डी के जोड़ घिस जाना) के रूप में हो सकता है।

कभी कभी यह डिस्क हरनिऐशन(स्लिप डिस्क) जैसी गंभीर समस्या को भी पैदा कर सकता है। इन सब लक्षणों को आम लोग स्पांडिलाईटिस के नाम से भी पहचानते हैं। आगे चल कर जब यह स्लिप डिस्क में बदल जाता है, तब यह रीढ़ की हड्डी में से गुज़रने वाली संवेदनशील नसों (Nerves, Sciatic Nerve) पर दबाव पैदा करके, टांगों में दर्द एवं कमज़ोरी का सबब बन सकता है, जिसे हम आम तौर पर शियाटिका (sciatica) के नाम से जानते हैं। इसके अलावा, वह लोग जिनको घुटनो का दर्द, जोड़ो का दर्द, कूल्हों का आर्थराईटिस इत्यादि होता है, उनको भी पीठ में दर्द हो सकता है।

ओस्टिओपोरोसिस (कमजोर और क्षीण हुई हड्डियां) के कारण भी पीठ में दर्द होता है

कमज़ोर रीढ़ की हड्डी पूरी तरह वजन लेने में सक्षम नहीं होती और दर्द का कारण बन सकती है। यही हड्डी अपनी आंतरिक कमज़ोरी की वजह से टूटने व चटकने (फ्रैक्चर) का कारण भी बन सकती है। ऐसे मरीज़ को पीठ में दर्द और तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उठने बैठने, चलने फिरने में और कई बार बिस्तर में पासा पलटने में भी तकलीफ हो सकती है। स्पाइन टयूमर (रसौली) , इन्फैकशन / संक्रमण और नींद नहीं आने की वज़ह से भी रीढ़ की हड्डी में दर्द हो सकता है।

रोजमर्रा की जीवनशैली में जैसे की उठने बैठने के गलत ढंग से, लंबे समय तक बैठे रहने से और असावधानी से समान उठाने, घर के काम करते समय झटके से नीचे से समान उठाने में, छोटे बच्चों का ध्यान करने और उन को उठाने में रीढ़ की हड्डी पर खिचाव पड़ सकता है जिससे पीठ का दर्द होता है। पीठ के दर्द के कारणों में सुस्ती व आलस पूर्ण जीवनशैली (जिसे अंग्रेज़ी में sedentary life style बोला जाता है), लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल का इस्तेमाल करना, किसी भी प्रकार का व्यायाम नहीं करना आदि भी काफी हद तक जिम्मेदार हैं।

लक्षण

पीठ में दुखन व खिंचाव , थोड़ा समय भी बैठने में कठिनाई , उठने, बैठने व लेटने में दर्द का एहसास और मुश्किल

दर्द का असर को घुटने, जांघों, टाँगों व कूल्हे में महसूस करना , टाँगो के निचले भाग तक सनसनाहट होना , टाँगो की कमज़ोरी या भारीपन (लकवा)

उपचार

आमूमन डॉक्टर पीठ के दर्द का उपचार दवाइयों से, पीड़ित को कुछ समय आराम करने की सलाह देना, खास प्रकार के व्यायाम और फिज़ीओथैरापी से करने की सलाह से करते हैं। ज्यादातर मरीज़ों में यही तरीका सर्वोत्तम माना गया है। अक्सर एंटि इंफलेमेट्री, दर्दनिवारक, मासपेशियों को राहत देने वाली और नसों को राहत देने वाली दवाइयां दी जाती हैं। आमतौर पर होने वाली पीठ के दर्द में अल्ट्रासोनिक मसाज थेरेपी, एकयुपेंचर, हीट-थेरेपी, नियमित रूप से सट्रैचिंग आदि लाभदायक सिद्ध होते हैं।

ज्यादातर रीढ़ की हड्डी के बैस्ट स्पैशलिस्ट, बिना आपरेशन के पीठ दर्द का इलाज करते हैं। पीठ के दर्द में राहत के लिए जीवनशैली में बदलाव, सही पोश्चर (उठने,बैठने, खड़े होने, लेटने का सही तरीका) को अपनाने की सलाह लगभग सभी अच्छे चिकित्सक देते हैं। कुछ मरीज़ों को जब आराम नहीं मिलता तो डॉक्टर रीढ़ की हड्डी में इंजैक्शन अथवा टीका लगाने की भी सलाह दे सकते हैं। इससे कतई घबराने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि यह बहुत ही सुरक्षित होता है। परंतु टीका लगाने के उपरांत भी कसरत और जीवनशैली बदलना आवश्यक रहता है ताकि मरीज़ लंबे समय तक स्वस्थ रह सके।

आपरेशन की सलाह बहुत कम लोगों को दी जाती है। ऐसे मरीज जो कि अपने काम से अधिक समय के लिए दूर नहीं रह सकते या जिनको अत्याधिक दर्द होता है और दवाई से दर्द में राहत नहीं हो पाती या टांगों में कमजोरी महसूस होती है, या जिनकी टांगें सुन्न हो जाती हैं, उनको आपरेशन से लाभ मिलता है। श्रेष्ठ डॉक्टर एवं रीढ़ कि हड्डी के विशेषज्ञ मिनिमली इन्वेसिव रीढ़ की सर्जरी की सलाह देते हैं। कीहोल सर्जरी, फुल एंडोस्कोपिक रीढ़ की सर्जरी, स्टिचलेस रीढ़ की सर्जरी जिसमें मात्र 8 mm के कट लगाके सर्जरी करी जाती है और निशान भी नाममात्र का आता है।

एंडोस्कोपिक डिसेक्टोमी में रीढ़ की हड्डी के विशेषज्ञ, स्लिप डिस्क को दूरबीन की मदद से नसों से परे हटा देते हैं। बहुत बार इस दौरान मरीज़ को बेहोश भी नहीं करना पड़ता। इस प्रक्रिया से रीढ़ की हड्डी के अंदर दबी हुई नसों को राहत मिलती है। कई बार यह आपरेशन माइकोस्कोप का प्रयोग करके माईक्रोडाईसेक्टोमी विधि के द्वारा भी किया जाता है। कुछ स्थितियों में रीढ कि हड्डी में मैटालिक इंप्लांट, आर्टीफिशियल डिस्क, पेडिकल स्क्रू और केज का इस्तेमाल भी किया जाता है। आज के युग में अधिकतर रीढ् की हड्डी के आपरेशन सुरक्षित और कामयाब होते हैं और इनमें लकवा अथवा पैरालिसिस की संभावना न के बराबर होती है।

रेसिपी

समा के चावल की खिचड़ी

सामग्री

- समा के चावल 1 कप
- बारीक कटी मिर्च- 1
- उबला और कटा आलू- 1
- बारीक कटा गाजर- 1
- बारीक कटा टमाटर- 1
- तेज पत्ता- 1
- दालचीनी- 1 टुकड़ा
- नीबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच
- साबुत काली मिर्च- 1 चम्मच
- सेंधा नमक- स्वादानुसार

विधि

समा के चावलों को तवे पर सुनहरा होने तक सूखा भून लें। गैस बंद करें और चावल को ठंडा होने दें। प्रेशर कुकर में एक चम्मच तेल गर्म करें और उसमें हरी मिर्च, तेज पत्ता, दालचीनी और काली मिर्च डालें। काली मिर्च को कुकर में डालने से पहले दरदरा कर लें। कुछ सेकेंड बाद कुकर में टमाटर, गाजर और आलू डालें। कुछ मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। अब कुकर में समा के चावल, दो कप पानी और स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। एक उबाल आने के बाद कुकर बंद करें और दो सीटी लगाएं। गैस बंद करें। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। खिचड़ी को एक बड़े बर्तन में निकालें। नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं और गर्मागर्म पेश करें।

सेब के पकौड़े

सामग्री

- सेब-2
- बेसन- 4 टेबलस्पून
- चावल का आटा- 2 टेबलस्पून
- ऑयल- डीप फ्राई के लिए
- लाल मिर्च- 1 टीस्पून
- चाट मसाला- 1 टीस्पून
- बेकिंग सोडा- 1/4 टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले सेब को स्लाइस में काट लें फिर एक मिक्सिंग बाउल में बेसन, चावल का आटा, लाल मिर्च और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करके न ज्यादा पतला और न ही ज्यादा गाढ़ा बैटर बना लें फिर एक पैन में ऑयल गर्म करें। बैटर में बेकिंग सोडा डालकर अच्छे से फेंट लें। जब ऑयल गर्म हो जाए तब सेब के स्लाइस को बैटर में अच्छए से डीप करके पैन में डालकर डीप फ्राई कर लें। इन्हें पेपर नैपकिन पर निकाल लें और गर्मा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3394

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3393 का हल

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3394

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3393

सूडोकु -3394

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3393 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3394

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -3393 का हल

गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : कृष्णपाल गुर्जर

बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत से लेनी चाहिए प्रेरणा : गुर्जर

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि छह साल के बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने अद्भुत साहस और अटूट विश्वास का परिचय देते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

वे अपने धर्म पर डटे रहे और मुगलों के जुल्म के आगे झुकने से इन्कार कर दिया। कम उम्र में, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह अपने विश्वास और सिद्धांतों पर अडिग रहे, अपने साहस से पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनके बलिदान को भूलाया नहीं जा सकता है और उनकी शहादत से हर देशवासी को प्रेरणा लेनी चाहिए। 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर एनआईटी, एफ -3 के श्रीराम पार्क में भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा द्वारा वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल

गुर्जर और बडखल विधायक धनेश अदलक्खा, एनआईटी विधायक सतीश फागना, प्रदेश अनुसाशन अध्यक्ष नीरा तोमर जी मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और बडखल के विधायक धनेश अदलक्खा, सतीश फागना और जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने गुरु गोविन्द सिंह और उनके पुत्रों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की । कृष्णपाल गुर्जर और धनेश अदलक्खा ने उपस्थित संगत के साथ उनके जीवन दर्शन को साँझा किया । कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा सुखमनी साहिब का पाठ किया गया और बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह के जीवन दर्शन पर एक चलचित्र दिखाया गया । इस अवसर पर गुरु गोविन्द सिंह जी और उनके पुत्रों के जीवन पर प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया और सही उत्तर देने वाले बच्चों को पारितोषिक भी दिया गया ।

प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रयासों से हर साल 26 दिसंबर को देशभर में मनाया जाता है 'वीर बाल दिवस' : धनेश अदलक्खा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 26 दिसम्बर के दिन को गुरू गोविन्द सिंह के पुत्र बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का जो निर्णय लिया उसके लिए विधायक धनेश अदलक्खा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया और कहा कि देश और धर्म की रक्षा के लिए शहादत देने वाले साहिबजादों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता । श्री गुरु गोबिंद साहिब सिंह जी के परिवार ने देश, धर्म और समाज की रक्षा के लिए शहादत दी और सत्य, न्याय और धर्म का संदेश दिया। वीर बाल दिवस ना केवल सिख समाज के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सभी देशवासियों को देश और धर्म के लिए बलिदान देने की प्रेरणा देता है । इस अवसर पर महापौर सुमन बाला, RWA प्रधान परविन्द्र सिंह, राजकुमार मदान, अंजू भडाना, अनिल भाटिया, पप्पू त्रिपाठी, अलका भाटिया, अरुण वालिया और सैंकड़ों की संख्या में समाज सेवी, भाजपा कार्यकर्त्ता, महिलाएं और बच्चे उपर्स्थित रहे।

पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ का सर्वसम्मति से ज्योति छाबड़ा को नया प्रधान चुना गया

समाचार गेट/संजय शर्मा

बल्लभगढ़। पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ (फरीदाबाद) द्वारा 27 दिसंबर 2024 को आर्य समाज चावला कॉलोनी में आयोजित बैठक में कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से ज्योति छाबड़ा को समिति का नया प्रधान चुना गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रधान प्रेम खट्टर ने की। नवनियुक्त प्रधान ज्योति छाबड़ा ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया, जिसमें मुख्य संरक्षक के रूप में पूर्व डिप्टी मेयर बसंत विरमानी और संरक्षक के रूप में श्यामलाल छाबड़ा, सोहनलाल कथूरिया, अशोक सेठी, वेद प्रकाश छाबड़ा, रवि हंस, नंदलाल कलरा, रमेश छाबड़ा, सोमनाथ विरमानी, सतीश हंस, डॉ. आर.के. अरोड़ा को नियुक्त किया गया। इसके अलावा अन्य प्रमुख सदस्य की जिम्मेदारियां भी तय की गईं।

ज्योति छाबड़ा ने प्रधान चुने जाने पर समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह समाज की भलाई के लिए निष्ठा से काम करते रहेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 11 जनवरी 2025 को लोहड़ी पर्व मनाया जाएगा, जिसका स्थान और मुख्य अतिथि आगामी बैठक में तय किया जाएगा।

टैलेंट सर्च- टैलेंट सर्च में विजुअल आर्ट्स में सराय ख्वाजा हरियाणा में तृतीय

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च में सराय ख्वाजा फरीदाबाद के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन कर विजुअल आर्ट्स में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कि विद्यालय की कक्षा आठ के छात्र चंदन ने हरियाणा राज्य स्तरीय टैलेंट सर्च प्रतियोगिता जो कि पंचकुला में आयोजित हुई, में विजुअल आर्ट्स में तृतीय स्थान प्राप्त कर सराय ख्वाजा फरीदाबाद विद्यालय परिवार एवं फरीदाबाद जिले को गौरान्वित किया है।विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि इस से पूर्व विद्यालय की वरिष्ठ वर्ग की सामूहिक नृत्य की टीम को जिला फरीदाबाद में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा राज्य स्तरीय टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में पंचकुला में प्रतिभागिता का अवसर प्राप्त हुआ।विद्यार्थियों की राज्य स्तरीय टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में सराहनीय उपलबधि विद्यालय के सभी अध्यापकों विशेष कर पूनम, ज्योति एवं मिकी के अत्यंत महत्वपूर्ण सहयोग से संभव हो पाई है। छात्रा नेहा, चांदनी, वंदना, रखी, भूमि, करिश्मा, नीतू और विनीता को सामूहिक नृत्य में हरियाणा राज्य स्तरीय टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने पर प्रशसति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य रविन्द्र मनचंदा, प्राध्यापक कुलदीप, अजय गर्ग, दिनेश, पूनम, सुदेश, सहित सभी अध्यापकों ने विद्यार्थियों को सराहनीय प्रदर्शन आने पर बधाई दीं और चंदन को विजुअल आर्ट्स में तृतीय रहने पर बधाई देते हुए निरंतर अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मोटिवेट किया। इस अवसर पर चंदन को प्रशसति पत्र और शील्ड प्रदान करते हुए प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा एवं अध्यापक।

समाधान शिविरों में जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का कार्य जारी

समाधान शिविर में एसडीएम बल्लभगढ़ ने सुनी शिकायतें

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में जनसेवा को समर्पित हो कार्य किये जा रहे हैं। सेक्टर- 12 लघु सचिवालय के सभागार कक्ष में डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित समाधान शिविर की श्रृंखला में शुक्रवार को एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज ने समाधान शिविर के दौरान नागरिकों की शिकायतें सुनी। एसडीएम बल्लभगढ़ ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा निरंतर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों की निगरानी की जा रही है। एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें। इनमें प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को

शामिल किया गया है। इनसे संबंधित हर प्रकार की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर में संपर्क किया जा सकता है। एसडीएम बल्लभगढ़ ने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस पर जिला मुख्यालय के साथ-साथ नगर निगम कार्यालय एवं उपमंडल मुख्यालय पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी दूरदर्शी सोच तथा गहरी अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा : कृपाल सिंह

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश महासचिव एवं स्व0. बिहारी लाल वाल्मीकि के धेवते कृपाल सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कृपाल सिंह ने कहा कि साल 1991 में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारतीय राजनीति में कदम रखा। यह वह समय था, जब भारत भारत आर्थिक संकट से जूझ रहा था। ऐसे में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने उन्हें वित्त मंत्री नियुक्त किया। इस पद रहते हुए उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। वे भारत सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार,भारतीय रिर्जव बैंक के गर्वनर,योजना आयोग के उपाध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। कृपाल सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नये उदारवादी भारत की कल्पना की थी जो आज दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। उनके प्रेरक नेतृत्व ने उन्हें दुनिया भर में सम्मान दिलाया। उन्हें हमेशा उनकी दूरदर्शी सोच तथा गहरी अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा। वे हमेशा विनम्र रहे और अपने व्यक्तिगत मूल्यों को बनाए रखा।

जल्द होंगी शहर की सभी मेन सीवर लाइन साफः टिपरचंद शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ में सीवर लाइन की सफ़ाई का कार्य तेज गति से चल रहा है, इसी कार्य का निरीक्षण आज विधायक मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा ने किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी मेन सीवर लाइन की सफ़ाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस मोके पर पारस जैन,औमहावीर सैनी, महेश गोयल, संजय कुमार और एफएमडीए के अधिकारीगण मौजूद रहे।

साहिबजादों की शहादत से आज के युवाओं को सीख लेनी चाहिए : देवेन्द्र अग्रवाल

राष्ट्रवाद, स्वच्छता एवं स्वास्थय पर सेमीनार का आयोजन

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। सेक्टर-37 अशोका एन्कलेव भाग-3 में समाजसेवी एवं युवा भाजपा नेता देवेन्द्र अग्रवाल (देबू) के कार्यालय पर राष्ट्रवाद,स्वच्छता एवं स्वास्थय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमीनार से पूर्व समाजसेवी देवेन्द्र अग्रवाल (देबू) ने महिलाओं के साथ मिलकर श्री गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी व बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को नमन किया। देवेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपने बेटों सहित पूरे परिवार का बलिदान दे दिया था जो इतिहास

में एक अनूठी मिशाल है।

उन्होनें कहा कि साहिबजादों की शहादत से आज के युवाओं को सीख लेनी चाहिए व हर प्रकार से अपने धर्म व देश के प्रति ईमानदारी व सच्चाई पर अडिग रहना चाहिए। उन्होनें कहा कि हमें जीना है तो राष्ट्र के लिए और मरना है तो राष्ट्र के लिए। इसके साथ ही उन्होनें वार्ड 24 में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया ताकि सर्दी के इस मौसम में बिमारियां ना पनप सके और सभी सावधानियां बरतने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को प्रसाद भी वितरित किया गया। इस मौके पर हरजिन्दर कौर, तेजवंत कौर, हरनाम कौर, सुलखण सिंह, माया, ममता शर्मा, सुरभी, कविता गौतम, मोनिका गुप्ता, हिना अग्रवाल, सुदेश बसंल सहित कई महिलाएं मौजूद थी।

610 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 26 दिसम्बर को अपराध शाखा टीम डबुआ एरिया में गस्त पर थी, गस्त के दौरान अपराध शाखा टीम को अपने गुप्त सूत्रों से गांजा बेचने के फिराक में खडे होने की सूचना प्राप्त हुई। जिसपर कार्रवाई करते हुए आरोपी सोहिल वासी नहेरु कॉलोनी को अपराध शाखा टीम ने पॉवर हाउस नेहरु कॉलोनी डबुआ से 610 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना डबुआ में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गांजा को दिल्ली में किसी व्यक्ति से 10000/-रु में खरीद कर लाया था। आरोपी का अपराधिक रिकॉर्ड जांच ने पर पाया गया कि आरोपी पर पूर्व में भी एक मामला नशा तस्करी का दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

स्मैक उपलब्ध कराने वाले आरोपी किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस द्वारा लगातार नशा तस्करों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए 18 दिसम्बर को अपराध शाखा सेक्टर 85 की टीम ने दीपक वासी डबुआ कालोनी फरीदाबाद को 3.10 ग्राम स्मैक काबू किया है, जिसके विरुद्ध थाना डबुआ में नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने पूछताछ बतलाया कि वह गुलाब के लिये नशा बेचने काम करता है जिसको नशा बेचने के लिए 400रू प्रतिदिन के हिसाब से मिलते है। मामले में आगे कार्यवाही करते हुए अपराध शाखा टीम ने आरोपी गुलाब वासी गांव नई बिछोर जिला मेवात हाल नेहरू कॉलोनी तीन नंबर पहाड़ी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी स्मैक को दिल्ली में किसी अंजान व्यक्ति से 30000/-रु में खरीद कर लाया था। आरोपी का अपराधिक रिकॉर्ड जांच ने पर पाया गया है कि आरोपी पर पूर्व में भी नशा तस्करी के 3 मामले दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

नेशनल शूटिंग में छाया पलवल का छोरा, कर दी मेडल की बौछार

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सूरजकुंड की वादियों में स्थित डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रही 67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में पलवल के गाँव मुनिरगढी के छोरा कपिल बैंसला ने कमाल कर दिया। चैंपियनशिप में 20 वर्षीय युवा निशानेबाज कपिल बैंसला ने एक गोल्ड, 3 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने जिले का नाम हरियाणा में रोशन किया। इस उपलबधि पर मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ ने कपिल बैंसला को बधाई दी और सम्मान किया। उनके साथ स्पोर्ट्स फॉर ऑल के डॉक्टर धर्मवीर डागर, मिशन डायरेक्टर विकास डागर और उनके सुभाष बैंसला मौजूद रहे।

पलवल के किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले कपिल बैंसला, जिन्होंने चार साल पहले फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित गन मास्टर्स शूटिंग स्पोर्ट्स एकेडमी में शूटिंग शुरू की थी। कपिल ने पहला जूनियर राष्ट्रीय खिताब शुक्रवार सुबह हुई चैंपियनशिप में 600 में से 547 अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। उसकी कामयाबी पर गांव में जश्न का माहौल है। स्टार निशानेबाज कपिल बैंसला ने कहा कि, आज का दिन उनके लिए यादगार दिन है। यह मेरा पहला जूनियर राष्ट्रीय खिताब था और स्वर्ण जीतना सच में खास है। अब आने वाले दिनों में मेरे दिमाग में 2028 में होने वाला ओलंपिक है।

संपादकीय

हार के डर ने केजरीवाल को कर दिया है परेशान

दिल्ली में लगातार विधानसभा का चुनाव जीत रही आम आदमी पार्टी ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को ही बाहर निकालने की मांग कर दी है। हालांकि केजरीवाल की पार्टी की इस बेतुकी मांग पर अभी इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन वास्तविकता तो सभी नेता जानते हैं। यहां तक कि विपक्षी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर निकालने की मांग करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता भी इस बात को बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन से बाहर भगाना संभव नहीं है। विडंबना देखिए कि, जिस विपक्षी इंडिया गठबंधन का गठन ही केंद्र से नरेंद्र मोदी सरकार को हटाने के लिए किया गया है। उस गठबंधन में लोकसभा में 3 सीट की हैसियत रखने वाली आम आदमी पार्टी 99 लोकसभा सांसदों वाली कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से बाहर निकालने की बेतुकी मांग कर रही है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि देश की वास्तविक राजनीतिक परिस्थिति को समझने के बावजूद आम आदमी पार्टी इस तरह की बेतुकी मांग क्यों कर रही है ? इसके पीछे सबसे बड़ी वजह, दिल्ली में होने वाला विधानसभा चुनाव है। कहने को तो आप की सरकार दिल्ली और पंजाब यानी देश के दो राज्यों में है। ताकत और कामकाज के मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होने के कारण पंजाब में सरकार होने का अपना फायदा है लेकिन दिल्ली में उपराज्यपाल के ज्यादा मजबूत होने के बावजूद, यह राज्य केजरीवाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दिल्ली की हार केजरीवाल की पार्टी के अस्तित्व पर ही सवालिया निशान लगा देगी। अगर आप दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई तो पार्टी में एक बड़ी टूट होने का भी खतरा पैदा हो सकता है और इसी डर ने आप के नेताओं को बुरी तरह से डरा दिया है।

दरअसल, वर्ष 2013 में दिल्ली में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी ने एक रणनीति के तहत पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह झाड़ू का चयन किया था। उस समय यूपीए सरकार के अंदर से लगातार आ रहे घोटालों और भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाते हुए केजरीवाल ने कांग्रेस के वोट बैंक में भी सेंध लगा दिया था। अपने पहले ही चुनाव में आप ने दिल्ली की 70 में से 28 सीटों पर जीत हासिल करके सबको चौंका दिया था। 2013 के उस चुनाव में अंदरखाने आप की मदद कर, शीला दीक्षित को हराने में बड़ी भूमिका निभाने वाले कुछ कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली कांग्रेस नेताओं के मना करने के बावजूद आप को समर्थन देकर , केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस लगातार कमजोर होती चली गई। कांग्रेस के वोट बैंक पर पूरी तरह से आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। शीला दीक्षित ने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली में कांग्रेस के पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर दिया था। उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को मजबूती से कांग्रेस के साथ जोड़ दिया था। झुग्गी-झोपडी में रहने वाले लोगों के साथ-साथ मुसलमान भी मजबूती से कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे। लेकिन धीरे-धीरे इन सभी मतदाताओं को आप ने अपने पाले में कर लिया। केजरीवाल ने मुफ्त बिजली और पानी देकर दिल्ली के झुग्गीवासियों और मिडिल क्लास को साध लिया। फ्री डीटीसी सफर की सुविधा देकर महिला मतदाताओं को लुभा लिया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और यूपी के लोगों को भी तवज्जों देकर एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर लिया। भाजपा को हराने के नाम पर मुस्लिम मतदाता भी केजरीवाल के साथ जुड़ गए।

कांग्रेस उलझन और ऊहापोह की स्थिति के कारण अपने इसी वोट बैंक को पूरी तरह से आम आदमी पार्टी से छीन नहीं पा रही थी क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को समझ ही नहीं आ रहा था कि वे आप को दोस्त माने या दुश्मन। दिल्ली में लड़ रहे कांग्रेसी नेताओं का भी अपने ऊपर से भरोसा ही उठ गया था कि वे केजरीवाल से लड़ भी सकते हैं और यही बात आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वरदान था। लेकिन इस बार जिस अंदाज में अजय माकन ने सीधे-सीधे अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला,युवा कांग्रेस ने संसद मार्ग थाने जाकर उनके खिलाफ शिकायत दी और कांग्रेस ने नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार दिया, उससे आप के मुखिया बुरी तरह से डर गए हैं। आप को यह लगने लगा है कि अगर कांग्रेस दिल्ली में पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ती है तो आप के लिए चुनाव जीतना मुश्किल ही नहीं नामुकिन हो जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि नई दिल्ली के मतदाताओं को यह लगने लगा है कि उन्होंने शीला दीक्षित को 2013 में विधानसभा चुनाव में हराकर गलती की थी और अब वह उनके बेटे संदीप दीक्षित को जीताकर अपनी 2013 की गलती का प्रायश्चित 2025 में करना चाहती है। अरविंद केजरीवाल अगर खुद की विधानसभा सीट हार जाते हैं तो उनके लिए इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ और नहीं हो सकता है। इसलिए उन्होंने राहुल गांधी, अजय माकन, कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस उम्मीदवारों के दिलों-दिमाग पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने के लिए यह बेतुकी मांग करनी शुरू कर दी है। यहीं पर राहुल गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यह देखना होगा कि दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत बनाने के मिशन में जुटे नेताओं का राहुल गांधी खुल कर और पूरी मजबूती के साथ, साथ दे पाते हैं या नहीं ?

नूंह के झिरकलम भाजपा जिला कार्यालय पर संगठन की एक कार्यशाला आयोजित

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह के झिरकलम भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर संगठन की एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर धूमन सिंह किरमिच जिला चुनाव अधिकारी नूंह ने संगठन की बारीकियों को बात की गई और आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व मनाया जा रहा है जिसमें सभी जिला पदाधिकारी तय किए जाने हैं उन्होंने बताया कि 30 दिसंबर को पूरे जिले में मंडल स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिसमें जिला

के सक्रिय सदस्यों के साथ मिलकर बूथ कमेटिया गठित की जाएगी। वही बूथ कमेटियों से मिलकर ही मंडलों के अध्यक्षों के चुनाव जल्द ही तय किए जाएंगे संगठन में बदलाव जिला स्तर से लेकर के बूथ स्तर तक किया जाएगा उन्होंने कहा कि जिला से लेकर के बूथ स्तर तक सभी चुनाव के अधिकारी तय किए जाएंगे और जिला नूंह में जल्द ही संगठन के चुनाव तय कर लिए जाएंगे इस कार्यशाला की अध्यक्षता नरेंद्र पटेल जिला अध्यक्ष ने की कार्यशाला में उपस्थित रहे मुख्य तौर पर श्रीपाल शर्मा जिला महामंत्री ,भानीराम मंगला पूर्व अध्यक्ष गौ सेवा आयोग,नसीम अहमद पूर्व विधायक व प्रदेश सचिव भारतीय जनता पार्टी, जाहिद हुसैन, जान मोहम्मद अध्यक्ष जिला परिषद नूंह, योगेश तंवर, शिवकुमार आर्य, रमेश मानूवास अध्यक्ष किसान मोर्चा, दलबीर सिंह, उपाध्यक्ष हेमराज शर्मा मंडल अध्यक्ष ,जसवंत गोयल, राजकुमार गर्ग सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आमजन और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करने में समाधान शिविर सहायक : एसडीएम

जिला स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम प्रदीप अहलावत ने सुनीं 09 शिकायतें

समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविर का फायदा उठाएं नागरिक

जिला स्तर व उपमंडल तावडू, फिरोजपुर-झिरका व पुन्हाना में आयोजित हो रहे हैं समाधान शिविर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जिला में विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में हर रोज सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य हर व्यक्ति को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें और पात्र व्यक्तियों को राहत देने में कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रत्येक कार्य दिवसों में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। शुक्रवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम प्रदीप अहलावत ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरन्त समाधान के निर्देश दिए। शिविर में कई विभागों से संबंधित शिकायतें दर्ज हुई जिनमें से काफी समस्याओं

का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने बताया कि नूंह जिला स्तर पर 09 व एक शिकायत उपमंडल फिरोजपुर झिरका में प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को जिला में 10 शिकायतें प्राप्त हुई जिनके निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। एसडीएम ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर जैसी पहले आमजन और प्रशासन के बीच मजबूत संवाद स्थापित करने में सहायक हैं। समाधान शिविर में भाग लेने वाले नागरिकों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और इसे जनहित में एक प्रभावी कदम बताया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। समाधान शिविर में ज्यादातर शिकायतें सामाजिक पेंशन, भूमि रिकॉर्ड, बिजली-पानी की आपूर्ति और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित रही।

जिला नूंह में अधिक से अधिक खेल मैदान किए जाएं तैयार : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त ने जिला विकास योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश

जिला विकास योजना के तहत 138 कार्य हुए पूर्ण, 38 कार्य प्रगति पर

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला विकास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वालीबाल मैदान सहित अन्य खेलों से संबंधित मैदान तैयार करवाए जाएं, ताकि जिला नूंह की युवा पीढ़ी को खेलों में आगे बढ़ने के अपार अवसर मिल सकें। आगामी दिनों में इस योजना पर मिशन मोड से कार्य शुरू हों। इन कार्यों को शुरू करने के लिए पंचायतों का भी सहयोग लिया जाए।

उपायुक्त शुक्रवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आयोजित बैठक में जिला विकास योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों को ईमानदारी व तत्परता के साथ पूरा करवाया जाए, ताकि जिला के लोगों को इन कार्यों का लाभ मिलना सुनिश्चित हो। इसके अलावा जिला विकास योजना के तहत नए संभावित कार्यों के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान जिला विकास योजना के तहत अब तक 138 कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 38 कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जो कार्य फिलहाल चल रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए और जो कार्य किसी कारणवश शुरू नहीं हो पाए हैं, उन कार्यों को भी शुरू करवाकर जल्द पूरा किया जाए। जिला विकास योजना के तहत ऐसे कार्यों अधिक शामिल किए जाएं, जिसका जिला के लोगों को बड़े स्तर पर फायदा हो। जिले में विकास कार्यों की गति को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। विकास कार्यों को पूरा करवाने के लिए सभी विभागों में समन्वय सुनिश्चित हो।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि जिला विकास योजना के कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जा रही है तथा जो कार्य किसी कारणवश शुरू नहीं हो पाए हैं, उन्हें जल्द शुरू करवाकर पूरा किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को इस योजना से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जिला योजना अधिकारी दिवान सिंह, पंचायती राज के एक्सईएन योगेश शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

कुरुक्षेत्र। प्रतिवर्ष की भांति रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा कुरुक्षेत्र जिले में विभिन्न ईंट भट्टा पर गर्म कंबल वितरित किए गए। रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र16 मई 2018 से पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में चल रही है जो पुलिस और कुरुक्षेत्र वासियों के सहयोग से चलती है। रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव, भापुसे साहब के दिशानिर्देशों और मार्गदर्शन में रोटी बैंक नियमित

पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में चलती है रोटी बैंक जो भोजन वस्त्र और अन्य आवश्यक सामग्री करती है वितरित

भोजन वितरण का कार्य करती है जो झुग्गी झोपडी से लेकर ईंट भट्टा और नागरिक अस्पताल के साथ साथ दिव्यांग और अन्य असहाय लोगों के घरों तक भोजन पहुँचाने में जुटी हुई है। इसके साथ ही समय समय पर रोटी बैंक द्वारा प्रशासन के साथ मिलकर भी कार्य किया गया है चाहे वह बाढ़ का समय रहा हो अथवा कोरोना का समय। प्रतिवर्ष की भांति रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र की कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य जिसमें वरिष्ठ उप प्रधान राजकुमारी पंवार, कर्म चंद, भारतेन्दु हरीश, कोषाध्यक्ष नरेश सैनी, सदस्य विश्व बेदी आदि कंबल लेकर ईंट भट्टा पहुंचे और आवश्यकतानुसार वितरित किए गए। इस अवसर पर रोटी बैंक से जुड़े अधिवक्ता हितेषी अरोड़ा और उनकी माता जी विशेष रूप से पहुंचे हुए थे जिन्होंने अपने कर कमलों से कंबल वितरित किए।

कविता : जी हां, कर्म लौट कर आते हैं

कर्म लौट कर आते हैं।
सब हिसाब चुकाते हैं।
भले हम भूल जाते हैं।

ऋषि मुनि यह बतलाते हैं।
यही वेद ग्रन्थ समझाते हैं।
कर्म लौट कर आते हैं।

जैसी करनी वैसी भरनी।
शास्त्र संमत रचित प्रकृति।
पुण्य कर्म अर्जन संस्कृति।
दुष्कर्म संचय भयो दुर्गति।
शांत हृदय शीतलता दायिनी।
मौनधारण पवित्रता आयिनी।
सुख बांटन तै बढ़े समृद्धि।
दुख पीड़ा से क्लेश वृद्धि।

रचयिता- डॉ अशोक कुमार वर्मा
90531-15315

पुलिस ने तलवाना खेड़ी के खेतों से बड़ी मात्रा में गांजे की खेप बरामद की

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सदर थाना पुलिस टीम ने तलवाना खेडी गांव में छापेमारी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। जिसका वजन 34 किलोग्राम 482 मिला है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम के लिए चलाए गए अभियान के तहत कनीना सदर थाना इंसान निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि खेतों में भविष्य देखकर पुलिस टीम ने मादक पदार्थ काबू किया है। पुलिस ने इस संदर्भ में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत किस दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सदर कनीना की पुलिस का गश्ती दल गांव पडतल के समीप मौजूद था तब गुप्त सूचना मिली थी कि गांव तलवाना खेडी में सडक किनारे खेतों में दो प्लास्टिक कट्टों में संदिग्ध वस्तु पडी हुई है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा दो प्लास्टिक कट्टों को कब्जे में लेकर जांच की प्लास्टिक कट्टों में 1-1 किलो के पैकेटों में नशीला पदार्थ गांजा पडा हुआ था। आसपास पता करने पर मालूम हुआ कि कोई नामपता नामालुम व्यक्ति यह नशीला पदार्थ यहां डालकर चला गया, अंधेरा होने के कारण उस व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी। दोनों कट्टों का अलगअलग वजन किया गया जिसमें 17.240 किलोग्राम व दूसरे कट्टे का वजन 17.242 सहित कुल 34 किलोग्राम 482 ग्राम मिला। पुलिस ने गांजा को कब्जे में लेकर कर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत तेज दर्द कर 96 शुरू कर दी है।

पौष मास में हुई जबरदस्त बारिश का पानी सडकों पर, वाहन चालक परेशान

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना क्षेत्र में करीब 3 माह बाद पौष मास, शुक्रवार को हुई 42 एमएम जबरदस्त बारिश के चलते जगह-जगह पानी जमा हो गया वहीं घरों में पानी टपकने की समस्या बन गई। नाले ओवरफ्लो होने के चलते बरसाती पानी से सडकों की शामत आने लगी है। इस बारिश के चलते किसानों को रबि फसल में सिंचाई से छुटकारा मिल गया है वही तापमान में गिरावट आने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है बृहस्पतिवार मध्य रात्रि से लेकर शुक्रवार से सायं तक हो रही बारिश से साहू और पानी पानी दिखाई देने लगा है। सडक़मार्गों तथा रास्तों मे पानी जमा होने से वाहन चालकों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। खेतो में खडी सरसों,गेहूं,जौ-चना के अलावा सब्जी वाली फैसल मटर, गोबी, गाजर आदि में बारिश का पानी लगने से उसमें रौनक छा गई है। अच्छी बारिश के बाद किसानों को फसल में सिंचाई करने से छुटकारा मिल गया है। कनीना में रेवाड़ी रोड के समीप बरसात का पानी सड़क पर आने से नागरिक घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। कनीना मंडी रोड पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं अम्बेडकर चौक के समीप सडक पर करीब एक-एक फुट पानी बहकर चला पड़ा। खंड कृषि अधिकारी कार्यालय में कार्यरत एडीओ देवेंदर यादव ने बताया कि कनीना विकास खंड में 16 हजार हैक्टेयर भूमि में सरसों , 11 हजार हैक्टेयर में गेहूं के अलावा 6 हजार हैक्टेर भूमि में जौ,चना, मटर,गाजर, गोबी मूली आदि की फसल उगाई गई है। बारिश होने के बाद फसल में फायदा हुआ है। सरसों व गेहूं सहित सभी फसलों की बंपर पैदावार का अनुमान है। उन्होंने बताया कि आगामी तीन दिन तक बारिश की संभावना बनी हुई है। किसान फसल सिंचाई न करे।

सिवानी में एक रात में आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियों के टूटे शीशे घटना से लोगों में दहशत

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। शहर में बीती रात को अज्ञात युवकों द्वारा घरों के बाहर खड़ी आठ गाड़ियों के अलग-अलग जगहो से शीशे तोड़ने का मामला सामने आया है । जिन लोगों की गाड़ियों के शीशे टूटे हैं उन्होंने संयुक्त रूप से सिवानी पुलिस थाना में अपने शिकायत दर्ज करवाई है। जानकारी के अनुसार बीती रात को शहर में अज्ञात युवकों द्वारा घरों के बाहर खड़ी खड़ी 8 गाड़ियों के शीशे तोड़े जाने का मामला सामने आया है। राधा कृष्ण मंदिर के पास मिली फुटेज में दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार थे और उन्होंने मुंह पर कपड़ा लगा रखा था और चलते-चलते उन्होंने गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए राधे कृष्ण मंदिर के पास तीन गाड़ियों के शीशे टूटे मिले हैं वहीं अन्य वार्ड में भी घर के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े जाने का मामला सामने आया है । इस बारे में वार्ड 12 निवासी शमशेर सिंह ने पुलिस थाना को संयुक्त रूप से शिकायत दर्ज करवाई है जिसमें अज्ञात युवकों द्वारा घर के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े जाने पर कार्यवाही की मांग की है। इस प्रकार की घटना से लोगों में दहशत है कि शहर में अज्ञात युवकों द्वारा इस प्रकार की घटना को अंजाम दे रहे हैं। वही इस बारे में थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को शिकायत मिली है और पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द इस मामले का पटाक्षेप किया जाएगा तथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नूँह मुख्यालय पर एक ओर बाईपास पर कार्य शुरू कराने के लिए चौधरी जाकिर हुसैन ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। शुक्रवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने नूंह जिला मुख्यालय पर रिंग रोड-बाईपास (मेडिकल कॉलेज रोड से गुड़गाँव-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग) का कार्य 474 लाख की लागत से शुरू कराने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा सरकार का धन्यवाद व आभार जताया है, शुक्रवार को इसका टैंडर हो गया है। ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि यह बाईपास नूँह जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसके साथ-साथ मन्नाकी से टांई, जोगीपुर हथीन (लागत 164 लाख) को शुरू कराने के लिए भी एक बार फिर से माननीय मुख्यमंत्री व प्रदेश की भाजपा सरकार का तहेदिल से शुक्रिया किया है। हुसैन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा सरकार नूँह जिले के संपूर्ण विकास के लिए बहुत गंभीर हैं। आने वाले समय में नूँह जिला विकास व रोजगार के मामले में प्रदेश में अव्वल जिलों में होगा।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

पश्चिमी विक्षोभ के चलते... बारिश और बर्फबारी के बीच मनेगा नया साल

नई दिल्ली। इस साल सर्दियों का मौसम अपने शबाब पर है। एक ओर बर्फीले थपेड़े और घना कोहरा आम लोगों को परेशान कर रहा हैं, वहीं दूसरी ओर बारिश की बूंदों ने कई हिस्सों में मौसम को तरोताजा बना दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 26 दिसंबर 2024 से 8 जनवरी 2025 तक के लिए मौसम का हाल पेश किया है। मौसम विभाग के अनुसार 27- 31 दिसंबर के बीच कोहरा और ज्यादा घना होने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक

पश्चिमी हिमालय और आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते 27-28 दिसंबर को बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओले पड़ने और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान तापमान में गिरावट भी दर्ज होगी। उत्तर और पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान अगले दो दिनों में 2 डिग्री तक गिरेगा। मध्य भारत और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में शीतलहर और बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में पिछले हफ्ते भारी बारिश ने मौसम को बदल दिया। यह निम्न दबाव क्षेत्र के कारण इन इलाकों में गरज के साथ बारिश हुई। अगले कुछ दिनों में तमिलनाडु, पुदुचेरी और आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। दक्षिण भारत में इस बार मानसून के बाद की बारिश सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा रही है।

बूंदी स्टेशन के पास वंदे भारत ट्रेन में लगा ब्रेक, रेलवे ट्रैक पर लोहे की पत्ती पड़ी दिखाई दी

बूंदी । राजस्थान में फिर वंदे भारत ट्रेन के साथ हादसा होते-होते बचा है। वंदे भारत के साथ यह हादसा बूंदी के पास हुआ। बूंदी के पास रेलवे ट्रैक पर लोहे की पत्ती पड़ी देखकर पायलट ने ब्रेक लगा दिए। ट्रेन के अचानक ब्रेक लगने से उसमें सवार यात्री हड़बड़ा गए। इसके बाद में रनिंग स्टाफ ने उतरकर पूरे मामले को देखा। उन्होंने पत्ती को वहां से हटाकर रेलवे प्रबंधन को सूचना दी। इस दौरान ट्रेन करीब 10 मिनट तक वहां रुकी रही। जानकारी के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस बूंदी स्टेशन से तालेड़ा की ओर से कुछ ही आगे बढ़ी थी कि पायलट को वापस ब्रेक लगा दिया। यह घटना सुबह करीब 9 बजकर 20 मिनट पर हुई। रेलवे ट्रैक पर 3-4 फीट लंबी लोहे की रॉड पड़ी देखकर पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद रनिंग स्टाफ ने वहां जाकर कथित रॉड को देखा, वहां लोहे की मोटी पत्ती मिली। इसकी जानकारी कंट्रोल रुम को दी गई। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। घटना की जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम का गठन किया है। टीम पता लगाएगी कि यह पत्ती अपने आप खुलकर अलग हो गई या फिर यह किसी साजिश का हिस्सा है। इस संबंध में आरपीएफ इंचार्ज मुकेश चौधरी का कहना है कि ट्रेक पर कोई रॉड नहीं थी। बल्कि वह पटरी के पास लगी रहने वाली लोहे पत्ती थी। वह पटरी से अलग होकर ट्रैक पर आ गई थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

शाही जामा मस्जिद के सामने बनेगी नई पुलिस चौकी... प्रशासन ने जमीन चिह्नित की

संभल । यूपी के संभल में बीते 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा को लेकर योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब शाही जामा मस्जिद के सामने खाली पड़े हुए मैदान में नई पुलिस चौकी बनेगी। इस लेकर जगह को चिह्नित कर लिया गया है। इतना ही नहीं एडिशनल एसपी और सीओ श्रीचंद्र ने इस जगह का मुआयना कर लिया है। संभल के एडिशनल एसपी श्रीचंद्र ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला हुआ है। पुलिस चौकी का निर्माण कार्य जल्द शुरु होगा। जब पुलिस फोर्स के साथ एएसपी जामा मस्जिद के बाहर पहुंचे, तब मस्जिद कमेटी और आसपास के लोग अपने जमीनों के कागजात लेकर उनके पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि ये लोग इसलिए कागज लेकर आए क्योंकि उनका कहना है कि ये जगह उनकी है। हम इसकी जांच करा रहे है। पुलिस टीम ने उस जगह की नपाई भी कर ली है, जहां पुलिस चौकी बननी है। जिस जगह पर चौकी का निर्माण किया जाएगा, उस जगह पर चूना डालकर चिह्नित किया है। बता दें कि संभल की शाही जामा मस्जिद में याचिका पर अदालत के आदेश के बाद सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें दावा किया गया कि वहां हरिहर मंदिर था। जब 24 नवंबर को सर्वे की टीम मस्जिद के अंदर थी तभी मस्जिद के बाहर हिंसा भड़क गई।

अन्ना यूनिवर्सिटी में छात्रा से दुष्कर्म, एक्टर थलापति ने की कार्रवाई की मांग

चेन्नई, । चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से दुष्कर्म के मामले में एक्टर और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष थलापति विजय ने इस घटना को दर्दनाक बताया और तमिलनाडु सरकार से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस मामले में बिरयानी बेचने वाले को हिरासत में लिया है। एक्टर विजय थलापति ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- अन्ना विश्वविद्यालय की एक छात्रा के साथ रेप की खबर गंभीर रूप से चौंकाने वाली और दर्दनाक थी। यौन उत्पीड़न करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से अनुरोध किया कि उसके खिलाफ जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा अगर इस घिनौने अपराध में कोई और शामिल है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। विजय ने कहा कि जो निर्भया फंड हर साल मिलता है, उसका इस्तेमाल करके हमें उन जगहों को पहचानना चाहिए जहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इसके बाद वहां स्मार्ट पोल्स, आपातकालीन बटन, सीसीटीवी कैमरे और टेलीफोन जैसी सुविधाएं होनी चाहिए। शहरों की बसों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के लिए शौचालय बनाएं जाने चाहिए, महिलाओं की सुरक्षा के लिए आपातकालीन टेलीफोन और मोबाइल ऐप्स देना चाहिए।

क्या कोई दलित हो सकता है बीजेपी का नया अध्यक्ष? एक तीर से साधे जा सकते हैं कई निशाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरएसएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है। नेताओं ने स्वीकार किया है कि चयन पूल उन दलित नेताओं के संदर्भ में प्रतिबंधित है जिनके पास एक मजबूत संगठनात्मक आधार और आरएसएस का समर्थन है। इस संदर्भ में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम और उत्तर प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य हो सकते हैं। उम्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई पीढ़ी के नेताओं को बढ़ावा न देने के लिए भाजपा के वर्तमान नेतृत्व की आलोचना की गई है, और एक युवा पार्टी प्रमुख की नियुक्ति एक सुधारात्मक उपाय के रूप में काम कर सकती है। अब तक, इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े शामिल हैं।

आप ने कांग्रेस पर आरोप लगाए तो निकाले जाने लगे सियासी मायने

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को बीते बहुत वक्त नहीं हुए जब कांग्रेस और आप दोनों दल साथ में दिल्ली की गलियों में चुनाव प्रचार कर रहे थे। अब दिल्ली चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच तल्खी काफी बढ़ गई है और ऐसा माना जा रहा है कि इसका असर इंडिया गठबंधन पर भी पड़ सकता है। आप के नेताओं की ओर से गुरुवार कांग्रेस पर न केवल बीजेपी के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए गए बल्कि इंडिया गठबंधन से बाहर कराने तक की चुनौती दे दी गई। आप की ओर से जो कहा गया उसके अलग-अलग राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर आप की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए भाजपा से मिलीभगत करने का आरोप लगाया। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की हरकतों की वजह से इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस गठबंधन की एकता को नुकसान हो रहा है। आप नेताओं ने कहा कि हमने हरियाणा चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। कांग्रेस फिर भी बीजेपी की तरह काम कर रही है। कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची देखें तो लगता है कि जैसे भाजपा के कार्यालय में बनी हो। कांग्रेस नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित बीजेपी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आम आदमी पार्टी को निशाना बना रहे हैं।दोनों दलों के बीच की इस लड़ाई के पीछे राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आप और कांग्रेस दोनों का बेस एक ही है। मान लीजिए जिस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस बढ़ेगी तो आम आदमी पार्टी पीछे रह जाएगी। आम आदमी पार्टी बढ़ी तो इसका उदाहरण साफ दिखा कि कांग्रेस पीछे रह गई। 2013 के चुनाव के बाद से ही देखने को मिला है कि कांग्रेस का वोट बैंक पूरी तरह आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हो गया।

दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया, यूपी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा का बड़ा मामला आया है। आरोप है कि दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया गया। इतना ही नहीं सभी को शादी का सर्टिफिकेट भी दे दिया गया। इसके लिए सभी से 10-10 हजार रुपए बतौर रिश्वत भी ली गई। अब इस मामले की शिकायत योगी सरकार से की गई है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है।

शिकायतकर्ता ने समाज कल्याण राज्यमंत्री को पत्र भेजकर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 23 नवंबर 2024 को सिराथू ब्लॉक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ था, जिसमें 200 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। दो दर्जन से अधिक कन्याओं के वर (दूल्हे) विवाह समारोह में शामिल नहीं हुए थे। आरोप है कि समाज कल्याण विभाग के सहायक विकास अधिकारी ने लोगों से 10-10 हजार रुपये लेकर कागजों में शादी दिखा दिया।

मामले की शिकायत समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री से की गई, तब प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने मामले में जांच टीम गठित की है। डीएम ने बताया कि ऑनलाइन प्रक्रिया के बाद सत्यापन होता है। उसके बाद ही जोड़ों को शादी समारोह में शामिल कर विवाह संपन्न किया जाता है। यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं तब लाभार्थियों को शासन की ओर से मिलने वाला लाभ नहीं दिया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

अयोध्या, काशी और मथुरा सौंप देते तो जगह जगह मंदिर निर्माण की मांग नहीं होती: विहिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का दावा है कि मुस्लिम अयोध्या, काशी और मथुरा सौंप देते तो जगह जगह मंदिर बनाने की मांग नहीं उठती। विहिप के महासचिव मिलिंद परांडे ने कहा, 1984 में एक धर्म संसद का आयोजन किया गया था। इसमें कहा गया था, अयोध्या, काशी और मथुरा हमें दे दो और फिर अन्य मुद्दों पर कोई हलचल नहीं होगी। अब 2025 आने वाला है। 1984 में जो प्रस्तावित किया गया था, वह अभी तक लागू नहीं हो सका है। इसलिए, जो नाराजगी समाज में दिख रही है, वह शायद इसके प्रमुख कारणों में से एक है।

उन्होंने मोहन भागवत के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। परांडे ने कहा, कि पहले मोहन भागवत जी ने काशी और मथुरा के बारे में बात की थी और उनका (हालिया) बयान उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए।भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर हिंदुओं के विश्वास का विषय है, लेकिन नए मुद्दों को दैनिक आधार पर उठाना नफरत, द्वेष और

शक के कारण अस्वीकार्य है। कुछ हिंदू धार्मिक नेताओं ने यह कहा कि संघ को हिंदू समाज को यह नहीं बताना चाहिए कि उसे क्या करना चाहिए। इस पर परांडे ने कहा, हम संतों पर टिप्पणी नहीं करते।

जागरूकता अभियान 5 जनवरी 2025 से

विहिप ने सरकार के मंदिरों पर नियंत्रण के मुद्दे पर भी बात की। परांडे ने बताया, हम इस बारे में एक देशव्यापी जन जागरूकता अभियान 5 जनवरी 2025 से शुरू करने जा रहे हैं। इस अभियान का आह्वान विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में लाखों लोगों की एक विशेष और विशाल सभा हैंदव शंखारवम में किया जाएगा।संस्था ने एक मसौदा कानून भी तैयार किया है, जिसे मंदिरों को समाज को सौंपने और उनके प्रबंधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए तैयार किया गया है। परांडे ने कहा कि पिछले सप्ताह संस्था का एक प्रतिनिधिमंडल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिला और उन्हें यह मसौदा कानून सौंपा।

ये हैं विहिप की मांगें

- मंदिरों और एंडोमेंट विभागों में सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाना।
- पूजा, भोग और सेवा के कार्यों में केवल उन हिंदुओं को रोजगार देना जो इसका पालन करते हैं।
- ट्रस्ट बोर्ड और मंदिरों के प्रबंधन में किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ी व्यक्तियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध।
- मंदिरों के अंदर और बाहर दुकानें चलाने के लिए केवल हिंदुओं को अनुमति देना।
- मंदिरों की भूमि पर किए गए सभी अतिक्रमण और गैर-हिंदू द्वारा की गई सभी निर्माणों को हटाना।

कर्नाटक के ठेकेदार ने की आत्महत्या, सुसाइड से पहले लिया प्रियांक खरगे के करीबी राउडी-शीटर का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।कर्नाटक के बीदर में एक 26 वर्षीय ठेकेदार की आत्महत्या से मौत हो गई, जिसने सात पेज का डेथ नोट छोड़ दिया जिससे राजनीतिक और सामाजिक विवाद पैदा हो गया। डेथ नोट में उपद्रवी और कर्नाटक के आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर पर टेंडर से जुड़े मामले में 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट में आगे आरोप लगाया गया कि कपनूर ने 1 करोड़ रुपये की मांग की और चार अन्य लोगों को सहयोगी बताते हुए सचिन को जान से मारने की धमकी दी। भालकी तालुक के तुंगदकट्टी के मूल निवासी सचिन पांचाल ने कथित तौर पर ट्रेन के सामने छलांग लगा दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

मंत्री प्रियांक खड़गे ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सचिन की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और अधिकारियों से सच्चाई उजागर करने का आग्रह किया। मुझे सचिन पांचाल के आत्महत्या मामले की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले में नामित आरोपियों के बयान एक तरह से हैं, जबकि कथित तौर पर सचिन द्वारा लिखे गए डेथ नोट से कुछ और ही पता चलता है। रेलवे पुलिस पहले ही मामला दर्ज कर चुकी है और जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करने के लिए प्रभावी ढंग से जांच करेंगे।

खड़गे ने इस मामले से खुद को जोड़ने के भाजपा के आरोपों को भी खारिज कर दिया और कहा कि झूठे आरोप लगाना भाजपा की पुरानी आदत है। उन्होंने पहले भी मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं। बेबुनियाद आरोपों से मुझे कमजोर करने की भाजपा की कोशिश सफल नहीं होगी। भाजपा ने मामले की गहन जांच की मांग की है, नेताओं ने कपानुर और खड़गे के बीच कथित संबंध पर सवाल उठाए हैं।

डल्लेवाल का जीवन दांव पर, आप गंभीरता से नहीं ले रहे... सुप्रीम कोर्ट से मान सरकार को फटकार

नोटिस जारी कर शनिवार तक मांगा जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को डॉक्टरी मदद देने के आदेश का पालन नहीं करने पर पंजाब की मान सरकार को नोटिस जारी कर दिया है। यह नोटिस मुख्य सचिव खिलाफ अवमानना याचिका पर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि हम किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पंजाब सरकार उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। वहीं अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तब सरकार उस सख्ती से निपटना होगा।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धुलिया की अवकाशकालीन पीठ ने मान सरकार को नोटिस जारी की है। बता दें कि डल्लेवाल 26 नवंबर से ही खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वे केंद्र सरकार पर किसानों की मांग के समर्थन में यह हड़ताल कर रहे हैं। इन मांगों में एमएसपी पर कानूनी गारंटी भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अगर कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है,तब मान सरकार को सख्ती से निपटना होगा। किसी का जीवन दांव पर है। आपको इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा लगता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली में अब तेज वाहन चलाने पर लगेगा अंकुश, स्पीड पर लगेगी लगाम

-हादसों को रोकने गति सीमा पर निगरानी के लिए लगेगी लेजर स्पीड गन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने दिल्ली में अब वाहनों की गति को 50 किमी प्रतिघंटा करने पर भी विचार किया जा रहा है। अभी यह गति 70 किमी प्रतिघंटा है। इसे लेकर यातायात पुलिस ने कवायद शुरू दी है, जल्द ही ट्रांसपोर्ट विभाग को सर्कुलर भेजा जा सकता है।

इसके साथ ही सर्दी में घने कोहरे की वजह से हादसों को रोकने यातायात पुलिस ने गति सीमा पर निगरानी के लिए लेजर स्पीड गन लगाने की तैयारी कर रही है। अभी कैमरे लगे हैं। लेजर स्पीड गन को लेकर सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। सर्कुलर में सभी ट्रैफिक उपायुक्त, टीआई को निर्देश दिए हैं कि वे अपने तौर पर उन स्पॉट की जानकारी लें, जहां पर हादसे और वाहनों की रफ्तार तेज होती है। यातायात पुलिस अधिकारी के मुताबिक दिल्ली में 36 से ज्यादा ऐसे स्पॉट हैं, जहां वाहन नियमों का उल्लंघन करते हैं। इस वजह से वहां पर सड़क हादसे होते हैं और लोगों अपनी जान गवाते हैं। इसमें उत्तरी जिले के रिंग रोड, आउटर रिंग रोड, नरेला व अलीपुर जैसे दिल्ली के बाहरी इलाके के बेल्ट के भी इलाके हैं।

अत्याधुनिक लेजर स्पीड गन तय सीमा से ज्यादा वाहनों की गति को एक किमी दूर से ही केच कर लेती है। इस गन में यह पता चलेगा कि वह मानक से कितनी तेज गाड़ी चला रहा था। लेजर का इस्तेमाल टेलगेटिंग प्रवर्तन, फोटो और वीडियो आधारित गति प्रवर्तन, विचलित ड्राइविंग, सांख्यिकीय डेटा संग्रह और आपदाओं के माप के लिए किया जाता है।

यातायात पुलिस के स्पेशल सीपी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि किसी तरह से वाहनों से होने वाले हादसे कम हों। सर्दी में कोहरे के चलते हादसों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए लेजर स्पीड गन से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अपनी गति कम करें और किसी भी स्थिति में ज्यादा समय देने के लिए वाहनों से दूरी बनाकर चलें।

उन्होंने कहा कि कोहरा प्रकाश को परावर्तित करता है, इसलिए हाई बीम का इस्तेमाल करने से देखना मुश्किल हो सकता है। कोहरा आपकी खिड़कियों पर जमा हो जाता है, इसलिए दृश्यता बढ़ाने के लिए अपने डीफ़ॉस्टर और वाइपर का इस्तेमाल करें। तेज आवाज में संगीत या ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय पेशेवरों को ट्रूडो सरकार ने दिया एक और झटका, इमीग्रेशन एंट्री को लेकर नियमों में किया बदलाव

ओटावा, एजेंसी। कनाडा जाकर नौकरी करने की चाह रखने वाले भारतीय पेशेवरों को कनाडा की ट्रूडो सरकार ने बड़ा झटका दिया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने अपने एक्सप्रेस इमीग्रेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है। इसमें उम्मीदवारों की योग्यता निर्धारित करने वाले कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम के नियमों को बदला गया है। नए नियमों के तहत अब उम्मीदवारों को नौकरी का ऑफर मिलने के लिए कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे। नए नियम साल 2025 में लागू हो जाएंगे। कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम में बदलाव का असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम के तहत कनाडा में स्थायी तौर पर बसने का इरादा रखते हैं। ये नियम उन लोगों पर भी लागू होंगे, जो पहले से ही कनाडा में अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। कनाडा की सरकार ने कहा है कि जब नए नियम लागू हो जाएंगे तो वे नौकरी की पेशकश पाने वाले उम्मीदवारों के साथ ही, जो नए उम्मीदवार पूल में आ रहे हैं, उन पर भी लागू होंगे। हालांकि नए नियम उन उम्मीदवारों को प्रभावित नहीं करेंगे जो पहले से ही स्थायी निवास (पीआर) के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह उन उम्मीदवारों पर भी लागू नहीं होगा जिन्होंने पहले से ही इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) को पीआर के लिए आवेदन जमा कर दिया है, जिस पर वर्तमान में कार्रवाई की जा रही है। कनाडा सरकार का कहना है कि ये बदलाव अस्थायी हैं और इसका उद्देश्य फर्जी तरीके से कनाडा आने वाले लोगों को रोकना और धोखाधड़ी वाली आव्रजन प्रथाओं पर अंकुश लगाना है। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि हम धोखाधड़ी वाले आव्रजन पर रोक लगाकर स्किल कार्यबल को कनाडा आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हो। उन्होंने कहा कि आव्रजन हमेशा से ही कनाडा की सफलता का अहम हिस्सा रहा है और हम आगे भी टैलेंटेड पेशेवरों को कनाडा लाना पसंद करेंगे ताकि हर किसी को अच्छी नौकरी, घर और वो मदद मिल सके, जिसे वो चाहते हैं।

यूएन महासचिव बोले-अडिग प्रतिबद्धता के लिए याद रखे जाएंगे अमिताभ झा

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनाइटेड नेशन्स डिसइंगेजमेंट ऑब्सर्वर फोर्स (यूएनडीओएफ) में ब्रिगेडियर जनरल रहे अमिताभ झा के निधन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गुटेरस ने कहा, यूएन शांतिरक्षण में झा के नेतृत्व और अडिग प्रतिबद्धता के लिए उन्हें याद रखा जाएगा। ब्रिगेडियर झा ने अप्रैल 2023 से यूएनडीओएफ के उप बल कमांडर के रूप में सेवाएं दीं और हाल में सीरिया में असद सरकार गिरने के बाद जटिल हालात में भी जिम्मेदारी निभाई। झा की गत दिनों स्वास्थ्य कारणों से मृत्यु हो गई। गुटेरस ने कहा, उन्हें शांति स्थापना के लिए याद रखा जाएगा। इसमें 2005 से 2006 तक कांगो में संयुक्त राष्ट्र संगठन मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में उनकी भूमिका भी शामिल है। इससे पहले भारतीय सेना ने 'एक्स' पर झा को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व सेना के समस्त अधिकारी ब्रिगेडियर अमिताभ झा के असमय निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। 'भारतीय सेना दुख की इस घड़ी में शोक-संतप्त परिवार के साथ खड़ी है।'

मोजाम्बिक जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। मोजाम्बिक की राजधानी मापुटो की जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। पुलिस जनरल कमांडर बर्नार्डिनो राफेल ने यह जानकारी दी। दरअसल मोजाम्बिक की शीर्ष अदालत द्वारा सोमवार को चुनाव में लंबे समय से सत्तारूढ़ पार्टी फ्रेलिमो की जीत की पुष्टि करने के बाद हंगामा हो गया है। इस फैसले के खिलाफ विपक्षी समूहों और उनके समर्थकों द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चुनाव में धांधली हुई। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि जेल के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के चलते जेल में दंगा हुआ। हालांकि मोजाम्बिक की न्याय मंत्री ने इस बात से इनकार कर दिया। जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत हुई है और 15 लोग घायल हुए हैं। मारे गए लोगों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं है। दंगे के चलते जेल से 1534 कैदी भाग गए थे, जिनमें से 150 लोगों को फिर से पकड़ लिया गया। मोजाम्बिक की दो अन्य जेलों में भी हंगामा हुआ। मोजाम्बिक में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हैती के अस्पताल में बंदूकधारियों के हमले में तीन की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती में हथियारबंदों के देश के सबसे बड़े अस्पताल पर गोलाबारी कर 3 को मार डाला। मृतकों में दो पत्रकार व एक पुलिस अफसर शामिल हैं। कई अन्य घायल हैं। यह हमला उस वक्त किया गया जब इस सबसे बड़े सार्वजनिक अस्पताल को फिर से खोलने के एलान किया जा रहा था। इस दौरान हथियारबंदों ने पत्रकारों, पुलिस और चिकित्सा कर्मियों पर गोलियां चला दीं। शहर के अधिकांश हिस्से पर कब्जा रखने वाले विव अंसनम गिरोह गठबंधन ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान आर्मी को ट्रेनिंग के लिए बुलाया: यह फरवरी में होगी, 53 साल बाद ढाका पहुंचेंगे पाक फौजी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान आर्मी की टीम को बुलाया है। 1971 के भारत-पाक युद्ध में करारी हार के 53 साल बाद एक बार फिर पाकिस्तानी आर्मी बांग्लादेश की जमीन पर कदम रखेगी। पाक आर्मी के एक मेजर जनरल रैंक के अफसर के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बांग्लादेशी आर्मी को ट्रेनिंग देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये ट्रेनिंग अगले साल फरवरी में शुरू होगी। पहले चरण की ट्रेनिंग मेमनशाही कैंट में आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड मुख्यालय में होगी। ट्रेनिंग का ये पहला चरण एक साल तक चलेगा। इसके बाद पाकिस्तान आर्मी बांग्लादेश आर्मी की सभी 10 कमांड में भी ट्रेनिंग देगी। ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तानी आर्मी के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने नवंबर में बांग्लादेश को ट्रेनिंग का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव को बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान ने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद जनरल वकार ने पाक आर्मी को ट्रेनिंग के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया है। पाक से गोला बारूद मंगाया, युद्धाभ्यास में शामिल होगा बांग्लादेश ने पाकिस्तान से गोला- बारूद की दो खेप मंगाई हैं। सितंबर से दिसंबर के बीच बांग्लादेश ने 40 हजार राउंड एम्युनिशन मंगवाए हैं। ये पिछले साल की तुलना में तीन गुना हैं। पिछले साल ये 12 हजार राउंड थे। इसके अलावा 2 हजार राउंड टैंक एम्युनिशन और 40 टन आरडीएक्स भी मंगवाया है। बांग्लादेश की

नौसेना अगले साल फरवरी में पाकिस्तान के साथ कराची पोर्ट पर नौसैनिक युद्धाभ्यास करेगी। इस संयुक्त युद्धाभ्यास को अमन-2025 नाम दिया गया है। पाकिस्तान हर 2 साल बाद इस युद्धाभ्यास का आयोजन करता है। बांग्लादेश 15 साल बाद इस युद्धाभ्यास में शामिल हो रहा है। शेख हसीना के पूरे कार्यकाल में बांग्लादेश ने इसमें हिस्सा नहीं लिया था। 2022 में शेख हसीना ने पाकिस्तान के युद्धपोत तैमूर को चटगांव में रुकने की परमिशन तक नहीं दी थी। इसके चलते तैमूर को म्यांमार के क्यायुकफु पोर्ट पर लंगर डालकर फ्यूल लेना पड़ा था। पाकिस्तान-बांग्लादेश के साथ आने से भारत पर असर डिफेंस एक्सपर्ट, वेस्ट एशिया पॉलिसी सेंटर के डिफेंस एक्सपर्ट कमर आगा के मुताबिक बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढ़ती करीबी से भारत के 80 किमी चौड़े सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर खतरा बढ़ सकता है। ये कॉरिडोर भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। बांग्लादेश में पाक की एंट्री के बाद पूर्वोत्तर के कट्टरपंथी ग्रुप के और हावी होने की आशंका है। दूसरी तरफ बांग्लादेश की जियोपॉलिटिकल लोकेशन काफी अहम है। चिकन नेक कॉरिडोर के पास भूटान का डोकलाम भी है। इस पर चीन कब्जा चाहता है। बांग्लादेश में यूनुस सरकार और अब पाक सेना की एंट्री के बाद चीन के लिए अनुकूल हालात हैं।

कमर आगा ने बताया कि बांग्लादेश में हमेशा से पाक परस्त ताकतें हावी रही हैं। फर्क इतना है कि शेख हसीना के 15 साल के शासन में इन पर लगाम रही, पर बांग्लादेश के आर्मी चीफ वकार ने पाकिस्तान की आर्मी और अन्य ताकतों के साथ हसीना के खिलाफ साजिश रची। 5 अगस्त को वहां जनक्रांति नहीं, सेना ने एक बड़े प्लान से तख्तापलट कराया था।

अमेरिका ने हिंदुओं पर हमलों को लेकर ढाका को चेताया बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका की बाइडेन सरकार ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार चेताया है। सोमवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने यूनुस से फोन पर बात की। इसमें बांग्लादेश में मानवाधिकारों की ?बिगड़ती स्थिति व लोकतंत्र पर चिंता जताई। सुलिवन ने कहा कि हर नागरिक के मानवाधिकारों की रक्षा करना किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए ठोस कदम उठाएं। इस पर यूनुस ने भी अमेरिका को मानवाधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आश्वासन दिया।

बांग्लादेश में क्रिसमस पर 17 ईसाइयों के घर जलाए: त्योहार मनाने पड़ोस के गांव गए थे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में क्रिसमस से एक दिन पहले ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों के 17 घर जला दिए गए। यह घटना बंदरबन जिले के चटगांव पहाड़ी इलाके में हुई। पीड़ितों का दावा है कि जब वे क्रिसमस के मौके पर प्रार्थना करने के लिए चर्च गए थे, तब मौके का फायदा उठाकर उनके घरों में आग लगाई गई। ईसाई समुदाय के लोगों ने बताया कि इस घटना में उनका 15 लाख टका (बांग्लादेशी करंसी) से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने कहा कि बुधवार दोपहर तक आगजनी के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। 4 महीने से रह रहे थे ईसाई समुदाय के लोग जानकारी के मुताबिक त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार बंदरबन (चटगांव पहाड़ी इलाका) के लामा सराय के एसपी गार्डन में रहते थे। यह गार्डन हसीना सरकार में बड़े अधिकारी रहे बेनजीर अहमद का है। 5 अगस्त के बाद बेनजीर अहमद और उनके परिवार के लोग यह इलाका छोड़कर चले गए थे। इसके बाद यहां त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार आकर रहने लगे। कल शाम जब सभी लोग क्रिसमस के मौके पर पड़ोस के चर्च में प्रार्थना करने गए तो उपद्रवियों ने खालीपन का फायदा उठाकर घरों को जला दिया। वहीं, ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों ने बताया कि ये उनकी ही जमीन है। पहले इस इलाके का नाम तंगझिरी पारा था। इस पर बेनजीर अहमद के लोगों ने कब्जा कर लिया था और यहां का नाम बदलकर एसपी गार्डन कर दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति के करीबी अधिकारी को पकड़ने गए सुरक्षा बलों पर हमला; 14 सुरक्षाकर्मियों समेत 17 की मौत

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के टारटस प्रांत में बुधवार को सुरक्षा बलों ने पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद से जुड़े एक अधिकारी को गिरफ्तार करने की कोशिश की। इस दौरान अधिकारी के समर्थकों और लोगों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। इस दौरान जनरल सिक्योरिटी फोर्स के 14 सदस्यों समेत 17 लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा बल सैदनया जेल में लोगों पर अत्याचार करने वाले अधिकारी मोहम्मद कंजो हसन को गिरफ्तार करने गए थे। आठ दिसंबर को सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने के बाद देश पर विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) का कब्जा हो गया है। वहीं एचटीएस ने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन देकर यहां एक मार्च 2025 तक के लिए अंतरिम प्रधानमंत्री की नियुक्ति की है। इसके बाद से राष्ट्रपति बशर अल असद के करीबियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि टारटस प्रांत में सुरक्षा बल बशर शासन के अधिकारी सैन्य न्याय विभाग के निदेशक और क्षेत्रीय न्यायालय प्रमुख के मोहम्मद कंजो हसन को गिरफ्तार करने गए थे। उसने सैदनया जेल में बंद हजारों कैदियों को मौत की सजा और मनमाने फैसले सुनाए थे। सुरक्षा बल जब कंजो हसन के गांव पहुंचे तो यहां कई लोगों ने अपने घरों की तलाशी लेने से इन्कार कर दिया।

यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा अमेरिका, क्रिसमस पर रूस ने दागीं 78 मिसाइलें

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन पर हुए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले की निंदा की है। बाइडेन ने आरोप लगाया कि रूस ने मिसाइल और ड्रोन हमले के जरिए यूक्रेन की एनर्जी ग्रिड को निशाना बनाया है। इसके जरिए रूस सर्दी में यूक्रेनी लोगों की बिजली सप्लाई काटना चाहता है। बाइडेन ने यूक्रेन को मदद देने की बात भी दोहराई। बाइडेन के मुताबिक अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन को सैकड़ों मिसाइलें दी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा। यूक्रेन को जल्द ही मिसाइलों की नई खेप दी जाएगी। इसके लिए अमेरिकी रक्षा विभाग को मिसाइलों की सप्लाई तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दुनिया के दूसरे देशों से भी यूक्रेन की मदद करने के लिए कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के लोगों शांति और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार है। बाइडेन ने कहा कि हम यूक्रेन का तब तक समर्थन करते रहेंगे, जब तक वह रूस के खिलाफ जीत हासिल न कर ले।

रूसी हमले में 1 की मौत, 21 घायल : रूस ने अपने हमले में यूक्रेन के कई शहरों को निशाना बनाया। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस हमले के लिए 78 मिसाइलों और 106 ड्रोन्स का इस्तमाल किया। इस हमले में 1 शख्स की मौत हुई, जबकि 21 घायल हुए हैं। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक सबसे बड़ा हमला खारकीव शहर पर किया गया। इसके अलावा निप्रो, क्रेमेनचुक, क्रिवी रिह और इवानो-फ्रैंकिवस्क पर भी हमले हुए।

यहां एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया। लोकल मीडिया के मुताबिक रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल से भी हमले किए हैं। रूस ने ब्लैक सी से ये मिसाइलें दागीं। खार्किव के गवर्नर ने बताया कि रूस ने उनके शहर पर कम से कम 7 मिसाइलें दागीं जिसमें 6 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के कई शहरों ने हमले के बाद बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। जेलेंस्की बोले- पुतिन इंसान नहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अमानवीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि पुतिन इंसान नहीं हैं। उन्होंने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस का दिन चुना। वहीं, यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि रूस का यूक्रेनी एनर्जी सिस्टम पर 13वां बड़ा हमला है। रूस ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के होम टाउन क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमले किए हैं। एक अपार्टमेंट पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के एक और शहर निप्रो पर भी मिसाइल हमले हुए। रूसी विदेश मंत्री ने यूक्रेन को चेतावनी दी इससे पहले रूसी वायु सेना कहा था कि उन्होंने 24-25 दिसंबर की रात में यूक्रेन के 59 ड्रोन को मारकर गिराया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेनी हमले को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेनी सरकार आम नागरिकों को निशाना बना रही है। लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेन का ये हमला जारी रहा तो रूस और ज्यादा कड़े कदम उठाएगा।

पनामा नहर, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप गंभीर, क्रिसमस पर जारी संदेश में इशारों में कह गए बड़ी बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पनामा नहर, ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात दोहराई है। दरअसल ट्रंप ने क्रिसमस के मौके पर जारी बयान में ये बातें दोहराईं और साथ ही कनाडा से अमेरिका में हो रहे अवैध आव्रजन को न रोकने पर कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात भी कही।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा किए पोस्ट : ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा कई पोस्ट में लिखा कि सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं, साथ ही चीन के शानदार सैनिकों को भी बधाई, जो अवैध रूप से पनामा नहर (जिसके 110 साल तक चले निर्माण में हमने 38 हजार लोगों को खोया) का संचालन कर रहे हैं। अमेरिका इसके पुनर्निर्माण में अरबों डॉलर खर्च करता है, लेकिन हम इसके बारे में कुछ नहीं कहेंगे। ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि कनाडा के गवर्नर जस्टिन ट्रूडो को भी क्रिसमस की शुभकामनाएं। इनके नागरिक कर बहुत ज्यादा अधिक हैं, लेकिन अगर

कनाडा हमारा हिस्सा होता तो उसके करों में 60 फीसदी की कटौती की जाती और उनका व्यापार दोगुना हो जाता। साथ ही उसकी सैन्य तौर पर सुरक्षा भी की जाती।

ट्रंप ने विपक्ष पर भी साधा निशाना ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप ने लिखा कि ग्रीनलैंड के लोगों की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अमेरिका को जरूरत है। जो भी चाहता है कि अमेरिका वहां पहुंचे तो हम जरूर ऐसा करेंगे। ट्रंप ने विपक्षियों पर भी निशाना साधा और कहा जो विपक्षी लगातार हमारी अदालती व्यवस्था और चुनाव को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं, उन कट्टर वामपंथियों को भी क्रिसमस की शुभकामनाएं। साथ ही ट्रंप ने गंभीर अपराधों को 37 दोषियों को राष्ट्रपति बाइडन द्वारा माफी दिए जाने पर भी निशाना साधा। पनामा नहर और ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा जाहिर कर चुके हैं ट्रंप गौरतलब है कि ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक मीम साझा किया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप, पनामा नहर, ग्रीनलैंड और कनाडा को खरीदते नजर आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ग्रीनलैंड का जिक्र करते हुए कहा था कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का मालिकाना हक होना चाहिए और राष्ट्रीय सुरक्षा और विचारों की स्वतंत्रतता के लिए ये बेहद जरूरी है। ट्रंप ने पनामा नहर पर भी फिर से अमेरिका का कब्जा करने की धमकी दी थी और कहा था कि पनामा नहर अमेरिका की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए बेहद अहम है। गौरतलब है कि चीन पनामा नहर पर अपनी मौजूदगी को लगातार बढ़ा रहा है, जो अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है।

नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को दी चेतावनी, बोले इजरायल हवाई हमला करने पर कर रहा विचार

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि यमन में हूती बलों को भी इजरायल विरोधी समूहों जैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा। नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा, ÷हूती विद्रोहियों को भी वही सबक मिलेगा जो हमास, हिजबुल्लाह, असद सरकार और दूसरों को मिला है। हालांकि, इसमें समय लग सकता है। लेकिन, यह पूरे मध्य पूर्व के लिए एक सबक साबित होगा।÷ इससे पहले बुधवार को हूती विद्रोहियों ने लगातार दूसरे दिन इजरायल की ओर जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल दागी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार एक ड्रोन दक्षिणी इजरायल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कथित तौर पर हूती बलों द्वारा जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजरायल यमन में हूती बलों के खिलाफ एक बड़े हमले पर विचार कर रहा है। मंगलवार को इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि सेना एक संभावित ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से कान टीवी ने कहा कि इजरायली वायु सेना, सैन्य खुफिया और संचालन निदेशालय पिछले सप्ताह के हमले के बाद यमन में ÷काफी आक्रामक योजनाएं बना रहे हैं और टार्गेट सूची का विस्तार कर रहे हैं।÷

पिछले साल अक्टूबर से हूती समूह ने गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजरायल पर कभी-कभी मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसके

जवाब में इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले सप्ताह हुआ। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। बुधवार सुबह इजरायली मीडिया ने बताया कि यमन से एक ÷मिसाइल÷ तेल अवीव के पास पहुंचा, जिसके बाद सायरन बजने लगे। यमन के हूती समूह ने बाद में कहा कि उन्होंने बुधवार को इजरायली शहर तेल अवीव और अश्कलोन में दो ड्रोन भेजे, जो ÷महत्वपूर्ण÷ और औद्योगिक÷ इलाकों को निशाना बनाने के लिए थे। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने एक बयान में कहा, ÷हमने दो सैन्य अभियान चलाए, जिनमें से पहले ऑपरेशन में तेल अवीव शहर में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र को निशाना बनाया गया। दूसरे ऑपरेशन में अश्कलोन शहर में औद्योगिक क्षेत्र को निशाना बनाया गया।÷

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बर्ड फ्लू का प्रकोप, राज्य में दूध उत्पादन में भारी गिरावट

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कैलिफोर्निया के अधिकारियों के अनुसार, बर्ड फ्लू ने अगस्त से अब तक 984 डेयरियों में से 659 को प्रभावित किया है। इनमें से एक-चौथाई मामले पिछले महीने में ही सामने आए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, राज्य के डेयरी उद्योग में तेजी से फैल रहे इस वायरस के कारण गवर्नर गेविन न्यूसम ने राज्य में पिछले सप्ताह आपातकाल की घोषणा की थी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने एक बयान में कहा, ÷इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी एजेंसियों के पास इस विषम स्थिति से सामना करने का जरूरी संसाधन कितना है जिससे वो परिस्थिति के अनुसार तुरंत रिएक्ट कर सकें।÷ अमेरिकी रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) की मंगलवार को जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस महामारी का मानवीय प्रभाव लगातार गंभीर होता जा रहा है, तथा कैलिफोर्निया में ऐसे 36 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जो कि देश के कुल 65 मामलों के आधे से भी अधिक हैं, हालांकि वास्तविक संख्या इससे अधिक होने की संभावना है, क्योंकि हाल ही में स्थानीय स्तर पर पुष्टि के मामले संघीय आंकड़ों में अभी तक जुड़े नहीं हैं। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स काउंटी और स्टैनिस्लॉस काउंटी में सोमवार को दो नए मामलों की पुष्टि हुई थी। दोनों काउंटी के स्वास्थ्य विभागों के अनुसार, दोनों व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर बर्ड फ्लू से संक्रमित पशुओं के संपर्क में आए थे। दोनों व्यक्तियों में इस वायरस के हल्के लक्षण थे और उनका एंटीवायरल दवाओं से इलाज किया गया था। बता दें कि इस वायरस पर नियंत्रण पाने के

लिए स्वास्थ्य अधिकारी पूरे कैलिफोर्निया राज्य में अपशिष्ट जल की निगरानी कर रहे हैं। सैन फ्रांसिस्को, नापा और सैन जोस सहित कई इलाकों में वायरस का पता लगाया जा रहा है। हालांकि, कैलिफोर्निया राज्य महामारी विज्ञानी एरिका पैन ने एबीसी30 को बताया कि इन मामलों का मुख्य कारण प्रारंभिक रूप से ÷घरेलू या अन्य वाणिज्यिक दूध को सिंक में डंप करने÷ के कारण हो सकता है। हालांकि स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि आम जनता के लिए जोखिम कम है, लेकिन यह वायरस संक्रमित मुर्गियों में 90 से 100 प्रतिशत और गायों में 1 से 2 प्रतिशत तक जान ले सकता है। कैलिफोर्निया राज्य के पशु चिकित्सक एनेट एम. जोन्स ने बताया कि संक्रमित गायें कभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकतीं। कैलिफोर्निया, जो देश का सबसे बड़ा डेयरी उत्पादक राज्य है, बर्ड फ्लू के प्रकोप के कारण भारी आर्थिक नुकसान का सामना कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब 1.7 मिलियन गायों का हर हफ्ते परीक्षण किया जा रहा है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में कैलिफोर्निया का दूध उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 9.2 प्रतिशत कम हो गया।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय- सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैं- हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग को भारतीय किस्में हैं = डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्रबंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीपलोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्रीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाइट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्तलाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती के लिए खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

मिर्जापुर फिल्म को लेकर उत्साहित हैं श्वेता त्रिपाठी

श्वेता त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने गोलू के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई हैं। अभिनेत्री को लोगों ने ओटीटी एक्ट्रेस का भी टैग दिया है। श्वेता अपने दो फेमस शो मिर्जापुर फिल्म और ये काली काली आंखें को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस साल अभिनेत्री को कई उपलब्धि मिली है, लेकिन वह इससे संतुष्ट नहीं हैं। अब इसके साथ ही श्वेता ने मिर्जापुर फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है।

स्क्रीन के साथ एक साक्षात्कार में श्वेता ने मिर्जापुर फिल्म को लेकर अपना उत्साह साझा है। श्वेता ने कहा, मिर्जापुर फिल्म का पहले सीजन से कोई भी लेना-देना नहीं हैं। मुन्ना भैया यानी कि दिव्येंदु शर्मा भी इसका एक हिस्सा हैं। यह उस समय पर आधारित है, जब मुन्ना भैया जिंदा थे और शायद स्विटि भी जिंदा थीं। अभी तक हमें निर्माताओं की तरफ से कोई भी कॉल नहीं आया है।

सीरीज से ज्यादा अच्छी होगी फिल्म

श्वेता ने आगे कहा, जहां तक मुझे लगता है, यह फिल्म पावर पैक्ड होने वाली है। इसमें किरदारों का अलग ही स्वैग देखने को मिलेगा। वेब सीरीज से ज्यादा दर्शक इस फिल्म को एंजॉय करने वाले हैं। मुझे बस निर्माताओं के कॉल आने का इंतजार है। क्योंकि मुझे पता है कि फिल्म की स्क्रिप्ट दिल दहला देने वाली होगी। पुनीत कृष्णा, मिर्जापुर के पहले और दूसरे सीजन के लेखक हैं, वह मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक हैं।

अभिनेत्री हैं उत्साहित

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि यह फिल्म 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है क्योंकि स्क्रिप्ट अभी भी लिखी जा रही है। फिल्म वेब शो से एकदम अलग होने वाली है। मिर्जापुर फिल्म में कोई भी कंटेंट वेब सीरीज का नहीं लिया जाएगा। यह फिल्म दर्शकों के उत्साह के साथ जरूर न्याय करेगा। मुझे भी फिल्म की शूटिंग का बेहद इंतजार है।

फैंस हैं उत्साहित

श्वेता त्रिपाठी ने कबूल किया कि वह यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि मिर्जापुर और ये काली काली आंखें दोनों में उनके किरदारों के लिए क्या रखा गया है। फैंस भी अभिनेत्री को एक बार फिर स्क्रीन पर देखने के लिए उत्सुक हैं।

डिस्को सॉन्ग पर थिरकती नजर आईं शालिनी पासी, इंफ्लुएंसर दर्शन संग गाना हो रहा है वायरल

इस साल नेटफ्लिक्स के रियालिटी शो फैबुलस लाइफ ऑफ बॉलीवुड वाइव्स को काफी पसंद किया गया। इस शो में कई बॉलीवुड से जुड़ी सेलिब्रिटी और स्टार वाइफ शामिल हुई थीं लेकिन दिल्ली की सोशलाइट शालिनी पासी सबसे ज्यादा खबरों में बनी हुई हैं। शो में कही गई उनकी बातें, स्टाइल, लाइफस्टाइल सभी कुछ वायरल हो गया। वह सोशल मीडिया की नई स्टार बन चुकी हैं। अब एक बार फिर शालिनी पासी ने दर्शकों को चौंका दिया है, वह इंफ्लुएंसर दर्शन के साथ एक डिस्को सॉन्ग के कारण में चर्चा में आ गई हैं।

शालिनी के वायरल डायलॉग पर बना गाना

नेटफ्लिक्स प्लेटफॉर्म पर ही शालिनी पासी का गाना रिलीज हुआ है। इसकी कुछ झलक, शालिनी के इंस्टाग्राम पेज पर भी नजर आईं। उन्होंने इस गाने का वीडियो शेयर किया है। यह गाना इसलिए भी खास है क्योंकि इसके बोल, शालिनी पासी के वायरल डायलॉग पर हैं। कुछ महीनों से शालिनी के फैबुलस लाइफ ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में कही कई बातें, सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जैसे 'मैं टेंशन नहीं लेती हूं क्योंकि इससे मेरी स्किल पर बुरा असर पड़ता है।' और भी कई शालिनी की बातों पर सोशल मीडिया पर खूब रील्स बनी हैं। दर्शन की बात करें तो वह भी इंस्टाग्राम पर इंग्लिश सॉन्ग को अपने ही अलग स्टाइल में गाते हैं, यह गाने गाते हुए वह फनी लगती हैं। लेकिन दर्शन की सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग है। अब शालिनी पासी के साथ वह गाना गाते हुए दिख रहे हैं। कुछ ही घंटों में इस गाने पर 4 लाख से अधिक व्यूज इंस्टाग्राम पर हो चुके हैं। साथ ही सोशल मीडिया यूजर्स इसे खूब लाइक भी कर रहे हैं।

बिग बॉस 18 में भी दिखीं

कुछ समय पहले शालिनी पासी 'बिग बॉस 18' के प्रतियोगियों से मिलने 'बिग बॉस' हाउस में गई थीं। एक दिन गुजारने के बाद वह बिग बॉस हाउस से बाहर आ गई थीं। इस एक्सपीरियंस को शालिनी ने यूनीक बताया था। पब्लिक डिमांड पर फिर से बिग बॉस 18 में शालिनी पासी नजर आईं। इस बार वह सलमान खान और शो के प्रतियोगियों के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए 'बिग बॉस 18 का हिस्सा बनीं।

बनाना चाहती हैं एक खास शो

शालिनी पासी सिर्फ एक सोशलाइट और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर ही काम नहीं करना चाहती हैं। कुछ समय पहले शालिनी ने बताया है कि वह ऐसा शो बनाना चाहती हैं जो भारतीय संस्कृति को दिखाएगा। हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि लोग कहते हैं कि ऐसे शो को देखने के लिए कम ही दर्शक मिलेंगे, लेकिन वह भारत को, अपनी संस्कृति को और महिलाओं की शक्ति दिखाने के लिए तैयार हैं।

ओरी के हाथ लगी भंसाली की फिल्म, विशिष्ट भूमिका में दिखेंगी दीपिका पादुकोण

संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म की कास्ट अब हर दिन के साथ और भी ज्यादा रोमांचक होती जा रही है। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल जैसे बड़े सितारे पहले से ही मुख्य भूमिका में हैं। अब इस कास्ट में एक और दिलचस्प नाम जुड़ गया है। सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी भी इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा लोकप्रिय हैं। अक्सर वह सेलेब्स के साथ फोटो क्लिक कराते हुए नजर आते हैं। अब ताजा रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि वह भंसाली की फिल्म का हिस्सा बनेंगे।

फिल्म में ओरी एक समलैंगिक पात्र का किरदार निभाएंगे, जो आलिया के सबसे करीबी दोस्त होंगे। आलिया फिल्म में एक कैबरे डांसर के रूप में नजर आएंगी। इस किरदार के लिए आलिया ने काफी तैयारियां की हैं। वह फिल्म में अपने नए अवतार से दर्शकों पर फिर से जादू चलाने की पूरी कोशिश में हैं। फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारी की भूमिका में होंगे।

दीपिका का होगा कैमियो

दीपिका पादुकोण भी इस फिल्म में एक कैमियो रोल में नजर आएंगी, हालांकि उनके किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। दीपिका और भंसाली का एक साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने गोलियों की रासलीला राम-लीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी चर्चित फिल्मों में एक साथ काम किया है। फिल्म के निर्माता इसे 20 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में जोर-शोर से जुटे हुए हैं।

शाहरुख खान की 'किंग' डायरेक्ट करेंगे सिद्धार्थ आनंद

बॉलीवुड के किंग खान अपनी फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। पठान, जवान और डंकी के बाद शाहरुख खान के फैंस को उनकी अगली फिल्म किंग का बेसब्री से इंतजार है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट करेंगे। फिल्म की शूटिंग मार्च 2025 से शुरू होगी। काफी लंबे समय से चर्चा थी कि शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' को सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले हैं, लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अब इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट करने जा रहे हैं। ङ्क्ष्र स्पाई यूनिवर्स की फिल्म पठान को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म से शाहरुख खान की बॉलीवुड में शानदार वापसी हुई थी और इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म 'किंग' पूरी तरह से एक्शन फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग की तैयारी पिछले छह महीने से चल रही है। इस फिल्म में शाहरुख खान, बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे, वहीं फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म किंग पर काम करना शुरू कर दिया है और पिछले 6 महीनों से वो इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग दुनिया के अलग-अलग देशों में की जाएगी। जिसके लिए सिद्धार्थ आनंद रेकी कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद इन दिनों फिल्म के एक्शन सीन्स को डिजाइन करने में और लोकेशन्स को फाइनल करने में लगे हुए हैं। इस फिल्म का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स के बैनर तले किया जा रहा है। इस फिल्म को सुजॉय घोष ने सिद्धार्थ आनंद, सुरेश नायर और सागर पंड्या के साथ मिलकर लिखा है। वहीं, फिल्म के डायलॉग अब्बास टायरवाला ने लिखे हैं।

फिल्म डकैत से क्यों बाहर हुई श्रुति हासन

कुछ दिन पहले ही अभिनेता अदिवी शेष की आने वाली तेलुगु फिल्म डकैत के निर्माताओं ने घोषणा की थी कि मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका निभाएंगी। मृणाल फिल्म में अभिनेत्री श्रुति हासन की जगह ले रही हैं, जिन्हें पहले फिल्म लॉन्च होने पर मुख्य भूमिका निभाने की घोषणा की गई थी। कई लोगों का मानना है कि श्रुति हासन ने इस प्रोजेक्ट को इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि वह अपने शेड्यूल में फिट नहीं हो पा रही थीं। वहीं, अब अभिनेत्री के फिल्म से बाहर निकलने का नया कारण सामने आया है। फिल्म को लेकर ताजा खबर है कि तारीखों का टकराव श्रुति के बाहर निकलने का कारण नहीं था। इस बारे में नई जानकारी सामने आई है। बताया गया कि श्रुति हासन ने पिछले साल फिल्म का टीजर शूट किया था और उसके बाद शूटिंग की तारीखें बार-बार आगे बढ़ाई गईं। दूसरा कलाकार स्क्रिप्ट में बहुत ज्यादा शामिल था। श्रुति अपने अभिनय के नए पहलू को दिखाने में दिलचस्पी रखती थी, लेकिन वह सह-कलाकार की अत्यधिक भागीदारी से सहज नहीं थीं, इसलिए वह प्रोजेक्ट से बाहर हो गईं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे पहले कहा गया कि श्रुति ने क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म छोड़ दी। कथित तौर पर उन्हें सेट पर असुविधाओं का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। अन्य कई रिपोर्ट में दावा किया गया कि उन्होंने डेट क्लैश के कारण डकैत को छोड़ दिया।

नॉटी और वल्गर कॉमिडी के बीच का फर्क पता है

अगर मैं राइटर नहीं होता तो शायद क्रिकेटर होता कॉमेडी से लेकर सीरियस जॉनर में फिल्में लिखने और बनाने वाले डायरेक्टर राज शांडिल्य हमेशा से ही कुछ अलग करते रहे हैं। उनके कई सारे काम की वजह से ही फैंस के बीच वो मशहूर हो गए। हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से लेकर करियर और फिल्मी सफर के बारे में उन्होंने बात की है।

कॉमिडी को गंभीर विषय मानने वाले लेखक और निर्देशक राज शांडिल्य ने हमेशा अपनी फिल्मों से एक खास संदेश देने के साथ दर्शकों को गुदगुदाया है। फिर चाहे 'जनहित में जारी हो' या 'विकी-विद्या का वो वाला विडियो'। लिखते वक्त वह फैमिली ऑडियंस का पूरा खयाल रखते हैं क्योंकि उन्हें नॉटी और वल्गर कॉमिडी के बीच का फर्क बड़े अच्छे से पता है।

नॉटी और वल्गर कॉमिडी में बड़ा फर्क है

मैंने 2004-05 में कॉमिडी लिखनी शुरू की थी। कॉमिडी सर्कस 2006 में किया, उससे पहले लाफ्टर चैलेंज जैसे शो किए। तब टीवी पर ही कॉमिडी होती थी। हमें फैमिली ऑडियंस का खयाल रखना पड़ता था। अब सोशल मीडिया में आप गाली देकर भी कॉमिडी कर सकते हो। नॉटी और वल्गर कॉमिडी में बड़ा फर्क है। मैंने हमेशा इसका ध्यान रखा है। पिछले 15-20 साल में जो किया, वो आज भी चल रहा है। कॉमिडी हमेशा से गंभीर विषय रहा है। कई इसे मजाक में लेते हैं पर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है।

नकली हंसी तो ना हंसो

मेरे हिसाब से हर दिन हंसने-हंसाने वाला होना चाहिए। किसी के चेहरे पर हंसी का मतलब ही त्योहार है। अगर कोई हंस रहा तो उससे बड़ा खुशी का पल कोई नहीं होता है। लोग सुबह-सुबह योग करते वक्त नकली हंसी हंसते हैं, वो नहीं होना चाहिए। आप आधे घंटे का एक शो रख लो, चुटकुले सुन लो, यूट्यूब पर कॉमिडी देख लो पर नकली हंसी तो ना हंसो। अगर हंसी अंदर से आएगी और उसमें सच्चाई होगी तो आपका ही फायदा होगा।

इल्म को फिल्म में ले आना मेरी कला

मैंने विकी-विद्या का वो वाला वीडियो में साइड कैरेक्टर्स को बहुत मजबूत रखा। वे सब किरदार किसी ना किसी की जिंदगी से जुड़े मिलेंगे आपको। इसमें जब अर्चना पूरन सिंह को मफलर बांधे, मुंह में मसाला दबाए और सबसे ज्यादा ठंड लगने वाली मां का किरदार दिया और जब वो गेटअप में आईं तो कोई उन्हें पहचान ही नहीं पाया। दरअसल, ऐसी महिलाएं मेरे मोहल्ले में थीं। सेट पर जब प्रोड्यूसर आए तो वह उनको पहचान ही नहीं पाए। मैंने टीकूजी के किरदार में जो एक आंख बंद दिखाई है, वैसा भी इंसान देखा है। मैं जब लिख रहा था, तभी दिमाग में टीकूजी का खयाल आ गया। इन सब किरदारों से मैं कहीं ना कहीं मिला हूं। मैंने ऐसा इंस्पेक्टर भी देखा, जो पाइल्स की वजह से बस खड़ा ही रहता था। कुछ लोग कहते हैं कि ये फिल्मी हैं। मैं बता दूं कि इसमें कुछ फिल्मी नहीं है। जो चीज आपके जेहन में है, जो चीज आप सोच रहे हैं, वो कहीं ना कहीं तो हुई है, तभी दिमाग में दौड़ी है, वरना कभी नहीं आती। उस इल्म को फिल्म में ले आना मेरी कला है। मेरा काम ऑब्जर्व करना है और उसी के हिसाब से लिखना या डायरेक्ट करना है।

लिखते समय पता होता कि किसको लेना है

मैं हमेशा वो विषय उठाता हूं, जो बॉलिवुड में किसी ने ना देखे हों। जनहित में जारी में लड़की को कॉन्डम बेचते दिखाया। द ग्रेड वेडिंग ऑफ मुन्नेस में अभिषेक बनर्जी को ऐसा बनाया, जबकि वो कह रहे थे कि सर कैसा लगूंगा। मैंने कहा कि लगते हो इसलिए बना रहा हूं। फिर उसे कैरी करना ऐक्टर का काम है। ड्रीम गर्ल में मैंने आयुष्मान खुराना से खुलकर ऐक्टिंग करवाई। अब जब कुछ लिखता हूं तो जेहन में रहता है कि किसके लिए लिख रहा हूं। मल्लिका शेरावत को ध्यान में रखकर ही मैंने उनके लिए रोल लिखा और उनको फोन कर बताया कि विजय राज के साथ आपकी जोड़ी बनाई है। ऐसा नहीं होता कि मैंने लिख दिया और फिर किरदार ढूंढ रहा हूं। इसके लिए इंतजार भी करता हूं कि जब समय होगा, तभी करेंगे पर तय लोगों के साथ ही करेंगे।

फटाफट लिखने वाला राइटर बन गया

मैंने टीवी बहुत किया है। झांसी से जब मुंबई गया तो देखा कि सब तो लिख रहे तो मैं क्या लिखूंगा। फिर सोचा कि मैं जल्दी लिखूंगा। आज फटाफट डिलिवरी वाला वक्त है और यह बात मैं 20 साल पहले समझ गया था। जो एक हफ्ते में देने को कहता था, मैं वही एक दिन में लिखकर दे देता था। मैं इंडस्ट्री में फटाफट लिखने वाला राइटर बन गया। मैं नाना पाटेकर, अनिल कपूर, नसीर साहब, परेश रावल जैसे बड़े स्टार्स का दरिया पार करके यहां तक पहुंचा हूं। 'वेलकम बैक' में नाना पाटेकर ने मेरी लिखी एक लाइन तक नहीं बदलवाई थी क्योंकि उनके डायलॉग्स उसी तरीके से लिखे थे, जिस तरह से वो बोलते हैं। मैं अगर मिथुन, गोविंदा, शाहरुख या सलमान खान के लिए लिखूंगा तो उन्हीं की तरह होगा। राइटर का यही तो काम है। उसको पता होता है कि क्या किस पर नहीं लिखना है और यह अनुभव से आता है।